

**कलकत्ता पत्तन न्यास कर्मचारी (पेंशन) विनियम , 1988**  
**Calcutta Port Trust Employees' (Pension) Regulations, 1988**

**कोलकाता पत्तन न्यास**  
**Kolkata Port Trust**



(ii) बोर्ड की सेवा में पहले जुलाई, 1966 को या उसके बाद स्थाई रूप से नियुक्त हुए बहाली शासक के उद्योग धरम से सम्बन्धित "ए" श्रेणी के सभी उद्योग कामगार । तथा

(iii) बोर्ड की सेवा में स्थाई रूप से नियुक्त हुए सभी अन्य कर्मचारी नियुक्ति या ही पेंशन श्रेणियों के लिए विधिवत रूप से विवरण दिया है या समग्र समय पर प्रधान किट पर नियुक्त की शर्तों के अनुसार हुए विनियमों के लिए विवरण है । यहाँ कि बोर्ड सेवा कर्मचारियों की प्रविष्टियों की प्राप्ति प्राप्त करने पर सेवा नियुक्त होता है प्रत्येक वर्ष के रूप 20 वर्ष की अवधि सेवा करने के बाद किसी कर्मचारी को अनुसूचित विनियम प्राधिकारी द्वारा और सभी सेवा के लिए स्वयंसेवा रूप से प्रदान की गई है कि वास्तव में बोर्ड की सेवा कर्मचारियों को इन विनियमों के अंतर्गत आना चाहिए और स्थायी रूप से बोर्ड पर आना करने को सर्वोच्च श्रेणियों में होता है कि वास्तव में सेवा कर्मचारियों के उपरोक्त के अनुसार सेवा-नियुक्ति या अवकाश पेंशन, मृत्यु पूरा सेवा-नियुक्ति उपदान और परिवार पेंशन स्वीकार किए जाने के लिए प्राप्त होगा । प्रत्येकी सेवा की संरक्षण के लिए इन विनियमों के अंतर्गत सेवा के रूप में सभी सर्वोच्च की श्रेणियों को सेवा को आगे तथा सेवा में हुए 20 (बोर्ड) से पिछली सेवा का अवकाश होता, यहाँ कि ऐसे सेवा करने हुए विनियमों के नियम 19 के अंतर्गत आना न कर दिए जाएँगे ।

3. परिभाषा:--इन विनियमों में जब तक कि संदर्भ से अर्थ प्राप्त न हो:-

(क) "श्रीमंत परिवारिक" से विनियम 22 के अनुसार निर्धारित की गई शीर्षक परिवारिकों परिभाषित है ।

(ख) "विद्यु" से कर्मचारी का विद्यु को यदि पूरा हो तो 24 वर्ष के रूप की आयु का हो और यदि पूर्ण हो तो यदि विद्यु हो तथा 24 वर्ष के रूप आयु की हो और परिवारिक "बच्चे" से अनुसूचित वर्ष आता तथा परिभाषित है ।

(ग) "अवकाश" "बोर्ड" तथा "विभागाध्यक्ष" से अनुसूचित सेवा अधिनियम 1963 में अन्तर्गत उद्धृत विवरण किया गया सर्व परिभाषित है ।

(घ) (i) श्रेणी-II वर्ग से नियुक्ति प्राप्त कर्मचारी है ;  
(क) विभागाध्यक्ष द्वारा प्रेषित किए गए सभी पर  
(ख) सभी पर विनियम वेतन व. वेतनमान (अर्थात् सहित) का अधिकतम 1966 वर्ष या उसके अधिनियम प्रविष्टास है ।

(ग) (क) तथा (ख) में न जाने वाले सभी पर विनियम को बोर्ड द्वारा श्रेणी I पर प्रेषित किए गए हैं ।

(iii) श्रेणी-II वर्ग से नियुक्ति प्राप्त कर्मचारी है

(क) उपरोक्त (i) में न जाने वाले सभी पर विनियम वेतन या वेतनमान (अर्थात् सहित) का अधिकतम 1971 वर्ष प्रविष्टास से अधिक पर 1969 वर्ष प्रविष्टास से कम है ।

(ख) (क) में न जाने वाले सभी पर विनियम या बोर्ड द्वारा श्रेणी-II पर प्रेषित किए गए हैं ।

(iii) श्रेणी III वर्ग से नियुक्ति प्राप्त कर्मचारी है

(क) उपरोक्त (i) तथा (ii) में न जाने वाले सभी पर विनियम वेतन या वेतनमान (अर्थात् सहित) का अधिकतम

627 वर्ष प्रविष्टास से अधिक पर 1970 वर्ष प्रविष्टास से अधिक नहीं है ।

(घ) (क) में न जाने वाले सभी पर विनियम को बोर्ड द्वारा श्रेणी-II पर प्रेषित किए गए हैं ।

(iv) श्रेणी IV वर्ग से नियुक्ति प्राप्त कर्मचारी है:- उपरोक्त (i), (ii) तथा (iii) में न जाने वाले सभी पर विनियम वेतन या वेतनमान या अधिकतम 1971 वर्ष प्रविष्टास या उसके अधिक है ।

(क) "मुख्य विभागाध्यक्ष कर्मचारी" से बोर्ड का मुख्य विभागाध्यक्ष कर्मचारी परिभाषित है ।

(ख) "विद्युत-सहायक रूप मुख्य सेवा कर्मचारी" से बोर्ड का विनियम-सहायक तथा मुख्य सेवा कर्मचारी परिभाषित है

(ग) "सेवा नियुक्ति की शर्तों" किसे कर्मचारी के संबंध में सेवा नियुक्ति का उद्योग "शरीर" या कर्मचारी की सेवा संबंधित शर्तों के अंतर्गत सेवा-नियुक्ति के लिए विनियमित प्राप्ति करने के अंतर्गत की शर्तों का प्राप्ति का प्राप्ति परिभाषित है ।

(घ) "स्वाधीन रूप से विनियम कर्मचारी" से सेवा कर्मचारी परिभाषित है जो स्थाई रूप से या अवकाश रूप से बोर्ड स्थायी पर आना करता हो या जो ऐसे शर्तों पर पर विनियम (अनुसूचित-विनियम) प्राप्त हो और उसके विनियम को पर न किया गया हो ।

(ङ) "इतर सेवा से ऐसी सेवा परिभाषित है किसे कोई कर्मचारी बोर्ड की विधि से विनियम सेवा से मुख्य प्राधिकारी की स्वीकृति से आना वेतन प्राप्त करता है ।

(च) "अवकाश" से केन्द्रीय अवकाश परिभाषित है ।

(छ) "अवकाश" से वह अवकाश परिभाषित है किसे 18 वर्ष की आयु पूरी नहीं की है ।

(ड) "अर्द्धक सेवा" से एतदी पर एतदी हुए को यदि सेवा या अवकाश ऐसी सेवा परिभाषित है जो इन विनियमों के अंतर्गत स्वीकार्य वेतन तथा उपदान के अंतर्गत केवल विनियम में ही आता है ।

(ण) "विद्यु" में उपरोक्त के विनियम में प्रयुक्त वेतन तथा को अवकाश उपदान सम्बन्धित है ।

(त) "सेवा नियुक्ति शर्त" में वेतन तथा सेवा उपदान तथा मृत्यु पूरा सेवा-नियुक्ति उपदान, तथा स्वीकार्य हैं, सम्बन्धित हैं ।

(थ) "अवकाश" में विनियमित सम्बन्धित है:-

(i) नियम 10 के अधिनियम (1) के अंतर्गत अर्थ किया जाने वाला सेवा उपदान ।

(ii) नियम 32 के अधिनियम (1) अन्वयात् अधिनियम (3) के अंतर्गत अर्थ किया जाने वाला "मुख्य सेवा-नियुक्ति उपदान" ।

(3) नियम 32 के अधिनियम (2) के अंतर्गत अर्थ किया जाने वाला "अवकाश उपदान" ।

अवकाश-1  
अवकाश-2

4. वेतन अथवा परिवार वेतन के शर्तों का परिभाषित

वेतन अथवा परिवार वेतन अथवा वेतन में 20 वर्ष आयु कर्मचारी के सेवा-नियुक्ति होने अथवा अर्द्धक विनियम वेतन अथवा सेवा से प्राप्त-रूप देने की स्वीकृति दिए जाने अथवा मृत्यु होने पर सेवा की प्राप्ति हो, के समय आयु होने वाले इन विनियमों के उपरोक्त द्वारा परिभाषित किया जाएगा;









(3) कर्मचारी द्वारा उक्तका त्यागपत्र वापस लेने तथा दफ्तरी को पुनः प्रेषण करने के संबंध में उक्तक कर्मचारी द्वारा प्रतिक्रिया प्रदान करने के लिए जाने पर, प्राधिकार में सेवा व्यवधान का समाधान प्राप्ति तक माना जाएगा, परन्तु व्यवधान की अवधि अर्द्ध सेवा के रूप में नहीं गिनी जाएगी।

17. सेवा में व्यवधान का प्रभाव

(1) किसी कर्मचारी की सेवा में व्यवधान से निम्नलिखित मामलों को छोड़कर, उक्तकी दिवसीय वेतनों का आनंदन होगा:—

- (क) अनुपस्थित रहने की अवधिगत छुट्टी;
- (ख) अनुपस्थित रहने की अवधिगत छुट्टी के अवकाश में अनुपस्थिति के एक को स्पेशी रुक से भरे जाने के समय तक अवधिगत अनुपस्थिति; और
- (ग) विद्यमान के तत्काल बाद पुनः बहाली, पाठे रहूँ जाती या किसी दिवस पर पर हो प्रथम निवृत्तन के अवसर पर छुट्टी द्वारा किसी कर्मचारी को मृत्यु हो जाती है या उसे सेवा-निवृत्त होने की अनुमति दी जाती है या परिवर्तन सेवा-निवृत्ति की प्राप्ति प्राप्त करने पर वह सेवा-निवृत्त हो जाता है।

(2) उप-विषय (1) में किसी बात के होने हुए भी निम्नलिखित शर्तिकायी आदेश द्वारा अनुपस्थित रहने की अवधियों को वृत्तवसी प्रमाण से प्रमाणपूर्ण छुट्टी के रूप में मान्यता प्राप्त कर सकता है।

18. सेवा में व्यवधान को समाप्त करना:

- (क) सेवा पूर्ण में प्रतिकूल विधिगत संकेत के न होने पर स्पेशी बोर्ड के अवसरत किसी कर्मचारी द्वारा की गई सेवा को दो अवधियों के बीच के व्यवधान को स्वतः समाप्त किया गया माना जाएगा और व्यवधान पूर्व सेवा की अर्द्ध सेवा माना जाएगा;
- (ख) शब्द (क) की कोई बात सेवा में (काम-पत्र, निष्कासन जपना इत्यादि) आने अवस्था किसी कारण से काम लेने के कारण हुए व्यवधान पर लागू नहीं होगी; और
- (ग) शब्द (क) में उचित व्यवधान की अवधि अर्द्ध सेवा के रूप में नहीं गिनी जाएगी।

19. दूसर सेवा नहीं पर प्रतिनिधित्व की अवधि:

दूसर सेवा पर गए कर्मचारी को अपनी दूसर सेवा के संबंध में, बिना अवधान प्रकाश कराया होगा तथा इस विनियम के अंतर्गत ऐसी सेवा विभा के लिए अर्द्ध सेवा गिनी जाएगी।

अध्याय-- 11

परिवर्तित तथा अर्द्ध परिवर्तित

20. परिवर्तित

परिवर्तित "परिवर्तित" से यह अर्थ निकलता है, सेवा कि मूल नियमों के विषय 9(21) में परिभाषित किया गया है, कि कोई कर्मचारी अपनी सेवा-निवृत्ति से अवकाश लेने अवस्था अपनी मृत्यु की अवधि को प्राप्त कर रहा था और उसमें नहीं। तथा संस्थागत अवकाश और कोई अन्य भत्ता कर्मचारी है, यदि उक्त (21) में नहीं तथा अवकाश-निवृत्ति बोर्ड द्वारा विधान के अंतर्गत के लिए वेतन के रूप में परिवर्तित की जाती है।

टिप्पणी:

1. यदि कोई कर्मचारी सेवा में रहने हुए अपनी सेवा-निवृत्ति प्राप्त मृत्यु के तत्काल पहले दफ्तरी से ऐसी छुट्टी पर अनुपस्थित रहा है, जिसके

लिए छुट्टी वेतन प्राप्त किया जाता है प्रथम किसी कर्मचारी को निवृत्त किए जाने के बाद, सेवा के व्यवधान के दिनांक मृत्यु बहाल कर लिया कि जाने के बाद, सेवा के व्यवधान के दिनांक मृत्यु बहाल कर लिया गया है तो वे परिवर्तित नहीं बहूँ दफ्तरी के अनुपस्थित न रहने का निवृत्त न रहने की अवधि में प्राप्त करता है, वे इस विनियम के अंतर्गत के लिए परिवर्तित नहीं।

अर्द्ध कि वेतन में कोई वृद्धि (दिवसी 4 में उचित वृद्धि को छोड़कर) को अपने अवकाश में प्राप्त नहीं की है, उक्तकी परिवर्तितों का लाभ नहीं होगा।

2. ऐसे मामलों में जहाँ कोई कर्मचारी सेवा में रहने हुए अपनी सेवा निवृत्ति अवकाश मृत्यु के तत्काल पहले की छुट्टी पर गया था, जिसके लिए एकात्मक या अस्थायी का के अवकाश निवृत्ति प्राप्त कि जाने पर छुट्टी वेतन प्राप्त किया जाता है, तो ऐसी अवकाश निवृत्ति में प्राप्त भरे नहीं परिवर्तितों का लाभ केवल उन्ही समय लिए जाएगा जब वह अवकाशित कर दिया जाता है कि यदि कर्मचारी छुट्टी पर न गया होता बहूँ अवकाश निवृत्ति पर ही बना रहता।

3. यदि कोई कर्मचारी सेवा में रहने हुए अपनी सेवा-निवृत्ति या मृत्यु के तत्काल पहले दफ्तरी से अवकाश छुट्टी पर अनुपस्थित रहा हो या निष्कासन के अर्द्ध रहता हो, जिसकी अवधि की सेवा के रूप में नहीं किया जाता है तो वे परिवर्तितों जो बहूँ उक्त छुट्टी पर जाने का या निष्कासन के अर्द्ध रहे जाने के तत्काल पहले प्राप्त करता, इन विनियम के अंतर्गत के लिए परिवर्तितों नहीं।

4. यदि कोई कर्मचारी सेवा में रहने हुए अपनी सेवा-निवृत्ति या मृत्यु के तत्काल पहले उचित छुट्टी पर गया और उन्ही ऐसी वृद्धि अवधि की होगी, जिसे सेवा न गया हो तो हालांकि उन्ही अवकाशित रूप में उक्त वृद्धि प्राप्त नहीं की है, परन्तु वह उन्ही परिवर्तितों का लाभ होगा।

अर्द्ध कि उक्त वृद्धि ऐसी अवधि जहाँ के दौरान अवधि की गई हो जो 120 दिनों से अधिक नहीं हो प्रथम उक्त उक्त छुट्टी 120 दिनों में अवधि की गई हो।

5. दूसर सेवा पर रहने हुए किसी कर्मचारी द्वारा प्राप्त किया गया वेतन परिवर्तितों के रूप में नहीं माना जाएगा, परन्तु केवल बहूँ वेतन को बहूँ वेतन के अंतर्गत उस स्थिति में प्राप्त करता यदि बहूँ दूसर सेवा पर न गया होता, तो परिवर्तितों के रूप में माना जाएगा।

21. अर्द्ध परिवर्तित

अर्द्ध परिवर्तित कर्मचारी की सेवा के अर्द्ध वेतन बहूँ दिनों के दौरान, उसके अवकाश को यदि परिवर्तितों के अंतर्गत में परिवर्तित नहीं जाएगी।

टिप्पणी:

1. यदि कोई कर्मचारी कर्मचारी सेवा में परिवर्तित या अर्द्ध दिनों के दौरान दफ्तरी से ऐसी छुट्टी पर अनुपस्थित रहा हो, जिसके लिए छुट्टी वेतन प्राप्त है प्रथम किसी कर्मचारी को निवृत्त किए जाने के बाद सेवा के अवकाश के दिनांक मृत्यु बहाल कर दिया जाता है, तो वे परिवर्तितों जो बहूँ दफ्तरी के अनुपस्थित न रहने का निवृत्त न रहने की अवधि में प्राप्त करता, अर्द्ध उक्त उक्त उक्त के लिए दिनांक में का जाएगा।

अर्द्ध कि वेतन में कोई वृद्धि (दिवसी 4) में उचित वृद्धि को छोड़ कर) को अपने अवकाश में प्राप्त नहीं की है, उक्तकी परिवर्तितों का लाभ नहीं होगा।



2. यदि कोई कर्मचारी किसी सेवा के अंतिम दस महीनों के दौरान हज़ारी के अवकाशक छुट्टी पर अनुपस्थित रहा हो, उसके विभाजन के प्राचीन रक़्त हो, जिससे अवधि की सेवा के काम में नहीं किया जाता है, तो औद्योगिक परिस्थितियों के परिणाम में छुट्टी पर या विभाजन को उक्त अवधि की सेवा की उत्तुंगी और दस महीने के पूर्व को अवकाश अवधि को शामिल किया जाएगा।

3. ऐसे कर्मचारी को परिधान वहीन द्वारा परामर्शों की किसी काल के अनुबंध अवधियों के लिए प्राप्त है और जो 1-1-1970 की या उनके बाद सेवा-निवृत्त हो रहे हैं, के मामले में वास्तविक छुट्टी को छोड़कर अवकाश छुट्टी की अवधि, परिशिष्ट अनुपस्थिति या उत्तुंगी सेवा-निवृत्ति को तारीख के 10 महीने पूर्व की अवधि के दौरान विभाजन के प्राचीन को अवधि को दस महीनों को औद्योगिक परिस्थितियों के परिणाम में कर दिया जाएगा तथा अवधि दस महीनों के पूर्व शुरू कर सकते हैं। यदि उक्त अवधि को शामिल किया जाएगा।

4. किसी ऐसे कर्मचारी के मामले में जो सेवा के प्रत्यक्ष दस महीनों के दौरान अवकाश छुट्टी पर रहा हो और उसके ऐसा बुद्धि को अवधि विभाजन से सेवा में क्या हो, इसलिए उक्त अवधि के दस बुद्धि प्राप्त नहीं की है, परन्तु वह औद्योगिक परिस्थितियों में शामिल हो जाती।

यहां कि उक्त बुद्धि ऐसे अवधि छुट्टी के दौरान अवधि को नहीं हो, जो 120 दिनों के अधिक न हो चरम। उक्त उक्त छुट्टी 120 दिनों के अधिक हो, उक्त पर अवधि छुट्टी के अन्त 120 दिनों के अवधि को नहीं हो।

अध्याय 5

दसों को भविष्य तथा उत्तुंगी मंत्रालय के संवर्धन के संबंध में

22. परिष्कार सेवक

कोई कर्मचारी को परिष्कार सेवक-निवृत्ति को अनु प्राप्त करने पर सेवा निवृत्त होता है, जो परिष्कार सेवक सेवक को जाएगा।

23. सेवा-निवृत्ति सेवक

विभाजित को सेवा-निवृत्ति सेवक अनु प्राप्त को जाएगा।

(क) किसी ऐसे कर्मचारी को जो किसी सेवा के संवर्धन के परिष्कार सेवक के अनु प्राप्त अवधि के सेवा-निवृत्ति को अनु के अपने सेवा-निवृत्त होता है, चरम सेवा निवृत्त हुआ हो।

24. अनुपस्थित सेवक

- (1) यदि कोई कर्मचारी किसी ऐसे अवधि या अस्थायी प्रशासन के अवकाश सेवा-निवृत्ति होता है, जिससे वह उक्त सेवक सेवक के लिए अवकाश को प्राप्त है तो अवकाश विधि अनु को जाएगा।
- (2) अवकाश सेवक के लिए अवकाश करने वाले कर्मचारी को सेवा के मुख्य विभाजन अवधि के अवकाश अवकाश अनु प्राप्त होगा।
- (3) उक्त अवधि के मुख्य विभाजन अवधि के दिशि कर्मचारी को और चरम की सेवा के लिए उक्त द्वारा संवर्धन में लिए जा रहे चरम को अनुपस्थित सेवक के रूप में अनुपस्थित किया जाएगा, यहाँ कि वह इस अवकाश में विभाजित लिए जाने के लिए अनुपस्थित ही तथा यदि उक्त दिशि पर पर भी विभाजित लिए जाने के कोई अवकाश न हो तो उक्त अवकाश सेवक में अवकाश किया पर अनुपस्थित।

25. परिष्कार सेवक

(1) यदि किसी कर्मचारी को चरम अवधि पर के अनुपस्थित लिए जाने के कारण सेवा-निवृत्त कर के लिए अनु प्राप्त होगा, उक्त ऐसे अवधि पर निवृत्ति नहीं को सेवा अनुपस्थित के लिए अनुपस्थित अवधि के अनु के काम उक्त चरम पर को चरम के अनुपस्थित नहीं जाती है, पर निवृत्ति लिए जाने पर निवृत्त विधि अनुपस्थित।

(क) उक्त द्वारा जो उक्त सेवक के लिए अनुपस्थित करने का विभाजन अनु उपस्था है; अवधि

(ख) ऐसे सेवा पर उक्त दिशि अनुपस्थित करने पर, विभाजन को अवकाश सेवा प्राप्त है तथा उक्त सेवक को सेवा को विभाजन के लिए लिए जाता है।

2(क) उक्त विभाजन में उक्त अनु कर्मचारी - अपने पर को अनुपस्थित लिए जाने पर उक्त कर्मचारी को सेवा को उक्त के जाने को जाने का अनु अनुपस्थित को विधि दिया जाएगा।

(ख) उक्त पर के अनु अनुपस्थित को विधि नहीं दिया जाएगा और कर्मचारी को उक्त सेवाओं के उक्त को अनुपस्थित अनु अनुपस्थित अनुपस्थित अनुपस्थित है, तो उक्त सेवकों को उक्त के लिए अनुपस्थित अवधि द्वारा को चरम अवधि के लिए अनुपस्थित अनुपस्थित को अनुपस्थित हो कि उक्त उक्त अवधि के अनुपस्थित और चरम के अनुपस्थित नहीं होती को विधि लिए अनुपस्थित विधि 3 महीने के अनुपस्थित को चरम अनुपस्थित है।

(ग) उक्त अवधि के लिए विधि सेवक में विधि के अनुपस्थित में कर्मचारी अनुपस्थित और उक्त अनुपस्थित अनुपस्थित पर ही कोई परिष्कार सेवक सेवा अनुपस्थित।

(3) ऐसे मामलों में जहाँ किसी कर्मचारी को उक्त अवधि के लिए अनुपस्थित और चरम को अनुपस्थित करने नहीं है, जिसके लिए उक्त दिशि अनुपस्थित सेवक सेवक के अनुपस्थित है और उक्त उक्त अवधि की अनुपस्थित सेवक सेवक विधि अनुपस्थित अनुपस्थित है, जिसके लिए उक्त सेवक और उक्त अनुपस्थित अनुपस्थित के अनुपस्थित के लिए अनुपस्थित सेवक लिए अनुपस्थित और चरम को अनुपस्थित अनुपस्थित करने होगी।

(4) यदि कोई ऐसा कर्मचारी को परिष्कार सेवक के लिए अनुपस्थित है, उक्त अनुपस्थित कोई अनुपस्थित अनुपस्थित कर सेवा है और उक्त में अनुपस्थित सेवक सेवक अनुपस्थित अनुपस्थित अनुपस्थित है तो ऐसे सेवक को उक्त अनुपस्थित सेवक से अनुपस्थित होगी, जो कि उक्त उक्त विधि में अनुपस्थित, यदि उक्त विधि अनुपस्थित अनुपस्थित को होगी।

26. परिष्कार सेवक-निवृत्ति सेवक

(1) किसी दस के अनुपस्थित सेवक के परिष्कार सेवक सेवक-निवृत्त अनु कर्मचारी को उक्त अनुपस्थित के लिए अनुपस्थित अवधि द्वारा सेवक का अनुपस्थित या चरम सेवक पर अनुपस्थित लिए अनुपस्थित है या उक्त अवधि के सेवा-निवृत्ति या तारीख को उक्त सेवक सेवक सेवक-निवृत्त सेवक अनुपस्थित अनुपस्थित सेवक सेवक सेवक सेवक सेवक अनुपस्थित अनुपस्थित अनुपस्थित।

अध्याय 6 उक्त अनुपस्थित के परिष्कार सेवक में अवकाश अवधि के

(2) अनुपस्थित (1) के अनुपस्थित अनुपस्थित को अनुपस्थित अनुपस्थित अनुपस्थित को अनुपस्थित सेवक सेवक सेवक सेवक सेवक अनुपस्थित अनुपस्थित अनुपस्थित।

27. पर्यवेक्षण सेवा

(1) कोई ऐसा कर्मचारी जिसे सेवा से निवृत्त करने का आदेश दिया गया हो कि वह उस सेवा से निवृत्त होकर अन्य सेवा में नियुक्त किया जाएगा;

बताते हैं कि सेवा से निवृत्त करने का आदेश देने के लिए प्रथम प्राधिकारी, यदि उसका मामला विशेष रूप से विचार किए जाने योग्य हो, अनुसंधान करने की स्वीकृति दे सकता है, जो कि नियुक्ति पत्र पर सेवा-निवृत्त होने की तिथि में उसे स्वीकार्य वेतन का उपभोग या दोनों के दो तिहाई से अधिक नहीं होगा।

(2) उप-विधम (1) के परन्तु के अन्तर्गत स्वीकार्य अनुसंधान सेवा साठ सप्ताह प्रतिमात्र की राशि से कम नहीं होगा।

अध्याय—4

सेवा की शर्तों का विनियमन

28. 30 वर्षों की अधिक सेवा के पूर्व होने पर सेवा-निवृत्ति।

(1) किसी कर्मचारी द्वारा 30 वर्षों की अधिक सेवा के पूर्व होने के बाद किसी भी समय—

- (क) वह सेवा से सेवा-निवृत्त हो सकता है; अथवा
- (ख) नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा उसे सेवा से हटाने के लिए सेवा-निवृत्त किया जा सकता है और ऐसी सेवा-निवृत्ति के मामले में कर्मचारी सेवा-निवृत्ति वेतन का हकदार होगा।

बताते हैं—

- (क) कर्मचारी जिस तारीख को सेवा-निवृत्त होना चाहता है वह तारीख से कम से कम तीन महीने पहले नियुक्ति प्राधिकारी को लिखित रूप में एक सूचना देना। तथा
- (ख) नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा जिस तारीख को सेवा से हटाने के लिए उसे सेवा-निवृत्त किया जाया जायेगा, उस तारीख से कम से कम तीन महीने पहले वह कर्मचारी को लिखित रूप में सूचना देना अथवा उस सूचना के अभाव में तीन महीने के वेतन तथा भत्ते देना।

इसके अतिरिक्त यह भी कि वह सूचना परन्तु के खण्ड (ख) के अन्तर्गत नोटिस देने वाला कर्मचारी नियमन के अधीन हो, वह नियुक्ति प्राधिकारी को यह अधिकार होगा कि वह ऐसे किसी कर्मचारी के संबंध में इस विधम के अन्तर्गत सेवा-निवृत्त होने की अनुमति को रोक सके।

1. (क) उप-विधम (1) के प्रथम परन्तु के खण्ड (क) में बतिया कोई कर्मचारी तीन महीने से कम के नोटिस को संभार करने के लिए नियुक्ति प्राधिकारी को लिखित रूप में उनसे कितना कारण बताते हुए अनुरोध कर सकता है।

(ख) खण्ड (ख) के अन्तर्गत अनुरोध की शर्त पर नियुक्ति प्राधिकारी तीन महीने के नोटिस की शर्त को कम करने के लिए ऐसे अनुरोध पर गुण-सर्वेक्षण के आधार पर विचार करेगा और यदि, वह इस बात से संतुष्ट हो कि नोटिस की शर्त को कम करने से कोई प्रशासनिक अनुविधा नहीं होगी, तो नियुक्ति प्राधिकारी तीन महीने के नोटिस की आवश्यकता में इस शर्त पर छूट दे सकता है कि कर्मचारी तीन महीने के नोटिस की शर्त को समाप्त से पूर्व अपनी वेतन के किसी भाग के सांख्यिकीकरण के लिए आवेदन नहीं करेगा।

2. कोई कर्मचारी जिसने एक विधम के अन्तर्गत सेवा-निवृत्त होने का आदेश दिया है और इस संबंध में नियुक्ति प्राधिकारी को अपेक्षित सूचना दी है, जो ऐसे प्राधिकारी को लिखित अनुमति के अभाव में अपना अपन आग्रह देने से प्रतिबंधित किया जाएगा।

बताते हैं कि अपन आग्रह देने का अनुरोध उसकी सेवा-निवृत्ति की तिथि तारीख में ही किया जाए।

3. इस विधम के अन्तर्गत के लिए अधिनियम "नियुक्ति प्राधिकारी" के ऐसे प्राधिकारी अभिहित है जो कि कर्मचारी के सेवा-निवृत्त होने की सेवा का वर्ष पर नियुक्ति करने में सक्षम है।

29-क. 30 वर्षों की अधिक सेवा के पूर्व होने पर सेवा-निवृत्ति

(1) किसी कर्मचारी द्वारा 30 वर्षों की अधिक सेवा पूर्व कर दिए जाने के बाद वह सेवा से सेवा-निवृत्त होने के लिए नियुक्ति प्राधिकारी को लिखित रूप में उनसे कितना कारण बताते हुए अनुरोध कर सकता है।

(2) उप-विधम (1) के अन्तर्गत दिए गए ऐच्छिक सेवा-निवृत्ति के नोटिस को नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत किया जाना अपेक्षित है।

बताते हैं कि ऐसे मामले में वह नियुक्ति प्राधिकारी जहां नोटिस में निर्दिष्ट शर्तों की समाप्ति से पूर्व सेवा-निवृत्ति के लिए अनुमति संभार करने से भाग नहीं सकता है, सेवा-निवृत्ति अंतःकर्म की शर्तों की तारीख से प्रभावी हो जाएगी।

(3) उप-विधम (1) में बतिया कोई कर्मचारी तीन महीने से कम के ऐच्छिक सेवा-निवृत्ति के नोटिस को संभार करने के लिए नियुक्ति प्राधिकारी को लिखित रूप में उनसे कितना कारण बताते हुए अनुरोध कर सकता है।

(ख) खण्ड (क) के अन्तर्गत अनुरोध की शर्त पर नियुक्ति प्राधिकारी तीन महीने के नोटिस की शर्त को कम करने के लिए ऐसे अनुरोध पर गुण-सर्वेक्षण के आधार पर विचार करेगा और यदि, वह इस बात से संतुष्ट हो कि नोटिस की शर्त को कम करने से कोई प्रशासनिक अनुविधा नहीं होगी, तो नियुक्ति प्राधिकारी तीन महीने के नोटिस की आवश्यकता में इस शर्त पर छूट दे सकता है कि कर्मचारी तीन महीने के नोटिस की शर्त को समाप्त से पूर्व अपनी वेतन के किसी भाग के सांख्यिकीकरण के लिए आवेदन नहीं करेगा।

4. कोई कर्मचारी जिसने एक विधम के अन्तर्गत सेवा-निवृत्त होने का आग्रह किया है और इस संबंध में नियुक्ति प्राधिकारी को अपेक्षित सूचना दी है, जो ऐसे प्राधिकारी को लिखित अनुमति के अभाव में अपना अपन आग्रह देने से प्रतिबंधित किया जाएगा।

बताते हैं कि अपन आग्रह देने का अनुरोध उसकी सेवा-निवृत्ति की तिथि तारीख के पूर्व किया जाए।

(3) इस विधम के अन्तर्गत सेवा-निवृत्त होने वाली कर्मचारी को वेतन तथा अन्य सेवा-निवृत्ति उपभोग का परिचालन पर प्राधिकार होगा जो कि विधम 21 तथा 22 के अन्तर्गत परिचालन पर कार्य है और उसकी अधिक सेवा में अधिक से अधिक तीन वर्षों की वृद्धि से वेतन तथा उपभोग को समाप्त करने के अधिकारों के लिए वेतन के किसी सांख्यिकीकरण के लिए उसे कोई अधिकार प्राप्त नहीं होगा।

(6) यह विनियम ऐसे कर्मचारी पर लागू नहीं होगा जो किसी ऐसे संगठन का सदस्य है जो कर्मचारी सेवा के अन्तर्गत कार्य में शामिल होना चाहता है और जो कि कर्मचारी सेवा के अन्तर्गत कार्य में शामिल होना चाहता है, किन्तु यह विनियम कर्मचारी सेवा-विनियम लागू करने के समय प्रवृत्तियों पर है।

प्रावधान — इस विनियम के अन्तर्गत के लिए प्रवृत्तियों "निम्नलिखित प्रवृत्तियों" में से एक प्रवृत्ति को अधिष्ठित है जो कि कर्मचारी सेवा-विनियम के अन्तर्गत कार्य करने के लिए है।

29. (क) विनियम के अन्तर्गत कार्य करने वाले कर्मचारी

(1) यह विनियम के अन्तर्गत कार्य करने वाले कर्मचारी के लिए कर्मचारी सेवा-विनियम लागू करने के लिए है।

(2) उप-विनियम (1) के अन्तर्गत कार्य करने वाले कर्मचारी के अन्तर्गत कार्य करने के लिए है।

30. वेतन की दरें

(1) इस वर्ष की शुरुआत से शुरू होने वाले इस विनियम के अन्तर्गत कार्य करने वाले कर्मचारी के वेतन के अन्तर्गत कार्य करने के लिए है।

(क) इस विनियम के अन्तर्गत कार्य करने वाले कर्मचारी के वेतन के अन्तर्गत कार्य करने के लिए है।

शुरुआत से शुरू होने वाले इस विनियम के अन्तर्गत कार्य करने के लिए है।

1	2	3
20	शुरुआत से शुरू होने वाले	3,750.00
21	"	3,907.50
22	"	4,125.00
23	"	4,312.50
24	"	4,500.00
25	"	4,687.50
26	"	4,875.00
27	"	5,062.50
28	"	5,250.00
29	"	5,437.50
30	"	5,625.00
31	"	5,812.50
32	"	6,000.00
33	"	6,187.50
34	"	6,375.00
35	"	6,562.50
36	"	6,750.00
37	"	6,937.50
38	"	7,125.00
39	"	7,312.50
40	"	7,500.00
41	"	7,687.50
42	"	7,875.00
43	"	8,062.50
44	"	8,250.00
45	"	8,437.50
46	"	8,625.00
47	"	8,812.50
48	"	9,000.00
49	"	9,187.50
50	"	9,375.00
51	"	9,562.50
52	"	9,750.00
53	"	9,937.50
54	"	10,125.00
55	"	10,312.50
56	"	10,500.00
57	"	10,687.50
58	"	10,875.00
59	"	11,062.50
60	"	11,250.00

शुरुआत से शुरू होने वाले	वेतन अन्तर्गत कार्य करने वाले
1	1/2-1/2
2	1
3	1-1/2
4	2
5	2-1/2
6	3
7	3-1/2
8	4
9	4-1/2
10	5
11	5-1/2
12	6
13	6-1/2
14	7
15	7-1/2
16	8
17	8-1/2
18	9
19	9-1/2

87-

2. (घ) श्रेणी-1 तथा श्रेणी-2 अधिकारियों के मामले में श्रेणी-3 और 4 के ऐसे कर्मचारों जिन्होंने सेवा के प्रवेश के लिए "सेवा" की एक परिभाषा के लिए विफल रहा है या विफल रहे जो उन्हें दिए गए विवरणों के अंतर्गत होने वाले विफलता की शर्तों के अनुसार केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों पर लागू होता है तथा जो कम से कम 15 वर्ष की सर्वोच्च सेवा पूर्ण करने के बाद इन विवरणों के अंतर्गत सेवानिवृत्त हो सकें। सेवा-निवृत्त हो रहे हैं, के मामले में पेंशन की राशि निम्न प्रकार से निर्धारित की जाएगी, यथातः—

सौम्य परिस्थितियों	मानिक पेंशन की राशि
(1) प्रथम 1,000 रुपये तक	सौम्य परिस्थितियों का 50%
(2) अगले 500 रुपये	सौम्य परिस्थितियों का 45%
(3) शेष	सौम्य परिस्थितियों का 40%

नकल 128 के अनुसार एक पेंशन पर देय राशि उचित स्थिति में अधिक 1,500 रुपये इतिहास।

31-3-1986 को या उसके बाद सेवा-निवृत्त हो रहे कर्मचारियों के लिए मानिक पेंशन की राशि पर कोई सीमा नहीं होगी।

- (ग) उपर्युक्त खण्ड 2(क) में वर्णित किसी या ऐसी कोई कर्मचारी को 33 वर्षों की सर्वोच्च सेवा पूरी करने से पहले मरण, 10 वर्षों की सर्वोच्च सेवा पूरी करने के बाद इन विवरणों के अंतर्गत सेवा-निवृत्त हो रहा है, के मामले में पेंशन की राशि खण्ड 2(घ) में निर्धारित शर्तों के अंतर्गत सेवानिवृत्त हो जाने के अंतर्गत में होगी, यद्यपि कि सेवा की राशि किसी भी स्थिति में 60 हजार प्रतिमात्र से कम नहीं होगी।
- सर्वोच्च सेवा की मात्रा की कमी करने में 3 महीने के अंतर अथवा इसके अधिक के वर्ष के मान को पूरा/अथवा वर्ष यात्रा अथवा और उसे सर्वोच्च सेवा के रूप में लिया जाएगा।
- खण्ड 2(ब) या खण्ड 2(घ) के अंतर्गत वर्णित उन से निवृत्तियों की गई सेवा की राशि को पूर्ण करणों के अंतर किताब/पत्र और जहाँ पेंशन में अंतर का कोई बात शामिल हो, उसे सर्वोच्च अथवा पर पुनर्निर्देश किया जाएगा।

31. असाधारण पेंशन की व्यवस्था सेवा

ऐसे कर्मचारी के संबंध में जो पिछले 25 को शर्तों के अनुसार असाधारण पेंशन पर सेवा-निवृत्त होता है, को असाधारण पेंशन की राशि अधिकार सेवा की राशि से कम नहीं होगी।

32. मृत्यु एवं सेवा-निवृत्ति उपरान्त

- (1) क. (i) कोई कर्मचारी जिसके पास अभी को सर्वोच्च सेवा पूर्ण कर ली है और वह पिछले 10 के अंतर्गत सेवा उपरान्त अथवा पेंशन के लिए पात्र हो गया हो, को सर्वोच्च सेवा की अवधि पूर्ण हुई छ: महीने की अवधि के लिए उसकी परिस्थितियों के एक सीमाई के अनुसार मृत्यु एवं सेवा-निवृत्ति उपरान्त अनुसूचित जाएगा या कि श्रेणी-1 तथा श्रेणी-2 के कर्मचारियों के संबंध में परिस्थितियों का अधिकारण 10:12 मृत्यु होने और श्रेणी-III और IV के मामले में परिस्थितियों का अधिकारण 15 मृत्यु होगा।

यद्यपि कि श्रेणी-III और श्रेणी IV के ऐसे कर्मचारियों के मामले में, जिन्होंने मृत्यु एवं सेवा-निवृत्ति उपरान्त की अवधि के लिए श्रेणी-1 का श्रेणी II के कर्मचारियों के समान से अपनी परिस्थितियों की गणना के लिए विफल किया है, को वे खंड क (ii) की शर्तों के अंतर्गत मृत्यु एवं सेवा-निवृत्ति उपरान्त की राशि, परिस्थितियों का 10:12 मृत्यु होगी।

दिएगी।

सर्वोच्च सेवा की मात्रा के परिष्कार के लिए 3 महीने के अंतर और इसके अधिक के वर्ष के मान को पूरा 1:1:2 वर्ष के अंतर एक और इसे सर्वोच्च सेवा के रूप में लिया जाएगा जो कि उपरान्त परिस्थितियों 1972 (1972 की परिस्थितियों में 34) तथा उनके अनुसार कक्षा में नियुक्ति की अवधि में शर्तों है।

क (ii) उपरान्त परिस्थितियों 1972 (1972 की परिस्थितियों में 34) और इसके अंतर्गत कक्षा में नियुक्ति की अवधि में परिस्थितियों के कारण सेवानिवृत्त हो जाने के लिए कर्मचारियों के मामले में या विवरणों के कारण सेवानिवृत्त हो जाने के लिए—

- मासिक अथवा अल्पकालिक अवकाश के कारण अथवा सेवा-निवृत्ति के लिए कोई इतर अधिकार किन्तु मृत्यु और पेंशन कक्षा के अंतर पर कक्षा असाधारण के कारण सेवा-निवृत्ति पर अंतर।
- कर्मचारी द्वारा कम से कम 8 वर्ष की अवकाश सेवा करने के बाद।
- अपनी परिस्थितियों पर अंतर।
- अपनी सेवा-निवृत्ति के अंतर पर, अथवा
- उपर्युक्त (1) (क), (ii) (क) के अंतर्गत अथवा किसी भी कारण से सेवा-निवृत्ति पर।

मृत्यु एवं सेवा-निवृत्ति उपरान्त सेवा के अवधि पूर्ण हुए वर्ष अथवा जो महीने के अधिक के उनके मान के लिए ऐसे अवधि कर्मचारी द्वारा अंतर को सर्वोच्च पियों की परिस्थितियों की पर पर अवधि होगी, जो कि अधिक के अधिक 29 महीने की परिस्थितियों होगी।

यद्यपि कि जब किसी कर्मचारी, किन्तु कि इस उपखण्ड में अंतर का मृत्यु है, को किसी अवधि, मासिक अथवा के कारण सेवा के लिए मान में शर्तों पर किताब में है, जो सेवा-निवृत्ति होता जाने के अंतर के रूप में मृत्यु एवं सेवा-निवृत्ति उपरान्त पेंशन की अवधि और बाद की अवधि के लिए अथवा अथवा निवृत्ता अथवा।

(2) उपरान्त परिस्थितियों 1972 (1972 की परिस्थितियों में 34) और उनके अंतर्गत कक्षा में नियुक्ति की अवधि में असाधारण के असाधारण से हुई अंतर को अधिक इन विवरणों के असाधारण से मृत्यु एवं सेवा-निवृत्ति उपरान्त की राशि के पूर्ण को शर्तों।

इस उपखण्ड में किसी बात कहने के बाद भी, किसी एक कर्मचारी किसी सेवा की शर्तों के अंतर्गत सेवानिवृत्त हुए करने अथवा असाधारण के कारण शर्तों का शर्तों है कि अथवा अति होने या शर्तों से संबंधित अथवा किताब होने के कारण सेवा मुक्त किया गया हो, जो इस अंतर से हुई अति या शर्तों को पूरा करने के लिए अथवा शर्तों को मृत्यु एवं सेवा-निवृत्ति उपरान्त अथवा किताब का किताब।



(ii) यदि परिवार के कोई ऐसे व्यक्ति उपलब्ध न हों, जैसा कि उपरोक्त उप-अध्याय 1 में है, किन्तु परिवार का एक सदस्य एक के अधिक सदस्य हों जैसा कि नियम 33 के खण्ड 5, 6, 7, 8, 9, 10 और 11 में है, तो सभी ऐसे सदस्यों को उपरोक्त अध्याय में बांटा जाएगा।

(2) यदि किसी कर्मचारी की नियम 32 के उप-नियम 1 के अंतर्गत स्वीकार्य उपचार की प्राप्ति किए बिना, सेवा-निवृत्ति के बाद मृत्यु हो जाती है, तो परिवार में उपरोक्त का अधिकतम उप-नियम (1) में बतलाए गए तरीके से किया जाएगा।

यहाँ कि किसी ऐसे कर्मचारी की मृत्यु के मामले में जो उपरोक्त अधिनियम, 1972 (1972 की अधिनियम सं. 38) की धारा 4 की अंतर्गत उपरोक्त उपरोक्त की धाराओं का हस्ताक्षर है, तो एक उपरोक्त अपने नामांकित व्यक्ति को बना दिया जाएगा। उपरोक्त यदि इस अधिनियम के उप-नियम 1(ख) में निर्दिष्ट किए गए ढंग के अपने परिवार में कोई नामांकन नहीं किया गया है और ऐसे मामले में जहाँ मृतक कर्मचारी ने कोई नामांकन नहीं किया है बल्कि उसके द्वारा किया गया नामांकन नहीं रखा है और उसके पीछे अपना कोई परिवार नहीं तो उपरोक्त अपने नामांकित उत्तराधिकारियों को बना दिया जाएगा।

34(3) सेवा में रहते हुए अपना सेवा-निवृत्ति के बाद किसी कर्मचारी की मृत्यु होने पर परिवार के अधिकतम सदस्य अपना धर्म का उपचार के भाग को प्राप्त करने का अधिकार इस बात से प्रभावित नहीं होता कि कर्मचारी की मृत्यु के बाद उपाय उपचार का प्रस्ताव प्राप्त करने के पहले महिला सदस्य ने विवाह अपना मृत विवाह कर दिया है बल्कि यदि वे 18 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली है।

(4) ऐसे मामलों में जहाँ मृतक कर्मचारी के परिवार के सदस्य उपरोक्त नियम 32 के अंतर्गत उपचार संभार किया जाता है, तो उसे उपरोक्त सदस्य के लिए संरक्षण को बना दिया जाएगा।

34(क) किसी व्यक्ति को उपरोक्त प्राप्त करने से वंचित करना।

(1) यदि कोई व्यक्ति की सेवा में रहते हुए किसी कर्मचारी की मृत्यु होने पर नियम 34 की धारा के अनुसार उपरोक्त प्राप्त करने का प्राव है, पर कर्मचारी को हत्या करने बल्कि ऐसे किसी अपराध के आरोप में उपरोक्त का उपचार उपरोक्त बनाया जाता है तो उपरोक्त के अपने भाग को प्राप्त करने के संबंध में उसका दावा, उसके विपक्ष स्थापित की गई आधिकारिक कर्मचारी की समिति एक आधिकारिक होगा।

(2) यदि उप-नियम (1) में उल्लिखित आधिकारिक कर्मचारी की समिति पर संबंधित व्यक्ति:

(क) की कर्मचारी की हत्या करने बल्कि कर्मचारी की हत्या करने के संबंध में उपरोक्त का आरोप लगाया जाता है, तो उसे उपरोक्त के अपने भाग को प्राप्त करने से वंचित कर दिया जाएगा, जो कि परिवार के अन्य गांधी सदस्यों, यदि कोई हों, को बना दिया जाएगा।

(ख) कर्मचारी की हत्या करने बल्कि हत्या के लिए उपरोक्त के आरोप से दोषमुक्त किया जाता है तो उपरोक्त का उपरोक्त भाग उसे बना कर दिया जाएगा।

(3) उप-नियम (1) तथा उप-नियम (2) में उपरोक्त नियम 34 के उप-नियम (2) में उल्लिखित व्यक्ति न किए गए उपरोक्त के संबंध में भी लागू होंगे।

35. मृत्यु एवं सेवा-निवृत्ति उपरोक्त का आधिकारिक हो जाना

नियम 34 के उप-नियम 2 के उप-धाराओं की धारा के अंतर्गत मृत्यु किसी कर्मचारी की उपरोक्त की प्रति प्राप्त किए बिना सेवा में रहते

हुए या सेवा-निवृत्ति के बाद मृत्यु हो जाती है, और वह अपने पीछे कोई परिवार नहीं छोड़ता है, और

(क) अपने कोई नामांकन न किया हो

अथवा

(ख) अपने द्वारा किया गया नामांकन उचित नहीं होता है, तो नियम 32 के अंतर्गत ऐसे कर्मचारी के संबंध में बना दिए जाने वाले मृत्यु एवं सेवा-निवृत्ति उपरोक्त की प्रति पीछे को व्यवस्था हो जाएगी।

36. नामांकन

(1) किसी सेवा या पर में आधिकारिक स्थापितकरण पर नियम 32 के अंतर्गत बना दिए जाने वाले मृत्यु एवं सेवा निवृत्ति उपरोक्त को प्राप्त करने का अधिकार एक सदस्य एक है अधिकारियों की प्रस्ताव करने हुए, कर्मचारी द्वारा ऐसे धर्म में नामांकन किया जाएगा जो मामले की परिस्थितियों में उचित हो।

यहाँ कि नामांकन किए जाने पर:

(1) यदि कर्मचारी का कोई परिवार हो, तो नामांकन उसके परिवार के सदस्यों को छोड़कर अन्य किसी व्यक्ति के पास में नहीं किया जाएगा;

अथवा

(2) यदि कर्मचारी का कोई परिवार न हो, तो नामांकन किसी व्यक्ति द्वारा स्थापित अधिकारियों के मृत्यु पीछे से स्थापित किए गए हों या नहीं, के पास में किया जा सकता है।

(2) यदि कोई कर्मचारी उप-नियम (1) के अंतर्गत एक से अधिक व्यक्ति को नामांकित करता है, तो उसे नामांकन में प्रथम नामांकित व्यक्ति को बना दिए जाने वाले भाग का प्रति एक एक के निर्दिष्ट करने चाहिए कि उपरोक्त को समस्त प्रति अपने भाग में।

(3) कोई कर्मचारी नामांकन में निम्नलिखित व्यवस्था कर सकता है:

(1) कि किसी ऐसे निश्चित नामांकित व्यक्ति के संबंध में जिसको कर्मचारी के पहले मृत्यु हो जाती है बल्कि किसी मृत्यु कर्मचारी की मृत्यु के बाद उपरोक्त उपरोक्त की प्रति प्राप्त करने के पहले होती है, तो उक्त नामांकित व्यक्ति को प्रदान किया गया अधिकार नामांकन में निश्चित एक व्यक्ति को प्राप्त हो जाएगा।

यहाँ कि यदि नामांकन के समय कर्मचारी का परिवार हो, जिसमें एक से अधिक सदस्य हों तो इस प्रकार के निर्दिष्ट किया गया व्यक्ति उसके परिवार के सदस्य को छोड़कर अन्य व्यक्ति नहीं होगा।

इसके अतिरिक्त यह भी कि यदि कर्मचारी के परिवार में केवल एक सदस्य ही और नामांकन उसके पास में किया गया हो, तो कर्मचारी को यह सुनिश्चित होना कि वह किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के मृत्यु, पीछे से स्थापित किए गए हों या नहीं, के पास में आधिकारिक नामांकित अधिकार या नामांकित अधिकारों को नामांकित करे।

(2) कि अपने ही गई आधिकारिक के होने की स्थिति में नामांकन बर्बाद हो जाएगी।

(4) कर्मचारी द्वारा नामांकन किए जाने के समय यदि उसका कोई परिवार न हो बल्कि उप-नियम (2) के खण्ड (3) के अंतर्गत उपरोक्त के अंतर्गत किसी कर्मचारी द्वारा उक्त स्थिति में किया गया नामांकन पर उसके परिवार में केवल एक सदस्य ही, बात में कर्मचारी द्वारा परिवार बहान करने बल्कि परिवार में एक आधिकारिक उपरोक्त उपरोक्त, जैसे की स्थिति हो, पर बर्बाद हो जाएगा।

(a) कोई कर्मचारी उप-निबन्ध (7) में वर्णित प्राधिकारी की विधिगत रूप में सूचना के बिना, किसी भी समय नामांकन की रद्द कर सकता है।

यहाँ कि रद्द बात सूचना के बाद, इस विनियम के अनुसार एक नया नामांकन प्रेषित।

(b) किसी ऐसे सम्बन्धित व्यक्ति, जिसके संबंध में उप-निबन्ध (3) के खण्ड (1) के अन्तर्गत नामांकन में कोई विशेष उल्लेख नहीं किया गया है, की मृत्यु होने पर कथना कि किसी ऐसे व्यक्ति के होने पर, जिसके संबंध में उप-निबन्ध के खण्ड (ii) के अनुसार नामांकन प्रेषित हो जाता है, तो कर्मचारी उप-निबन्ध (7) में वर्णित प्राधिकारी की मर्यादा रद्द करती है। इस विनियम के अनुसार किए गए नामांकन प्रेषित विधिगत रूप में उक्त एक सूचना प्रेषित।

(7)क इस विनियम के अन्तर्गत किसी कर्मचारी द्वारा किया गया प्रत्येक नामांकन (रद्द करने की प्रत्येक सूचना सहित, यदि कोई भी नहीं है) कर्मचारी के संबंधित विभागाध्यक्ष की सेवा जाएगा।

क. उप-विधय (क) में वर्णित नामांकन की प्राप्ति पर विभागाध्यक्ष इसकी प्राप्ति की तारीख दर्शाते हुए इस पर अन्ततः प्रति-हस्ताक्षर करेगा और इसे संबंधित अधिकारी के लक्ष्य में भेजेगा।

(ग) विभागाध्यक्ष अपने कर्मचारी अधिकारियों, जो कि किसी के एक के संबंध में हैं, को कर्मचारियों के नामांकन, धर्मों की प्रति हस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकृत कर सकता है।

(8) किसी कर्मचारी द्वारा किया गया प्रत्येक नामांकन और रद्द करने के संबंध में की गई प्रत्येक सूचना, इसके संबंध में की गयी तब तक उप-विधय से प्रभावित होगी जित तारीख की रद्द उप-निबन्ध (7) में वर्णित प्राधिकारी द्वारा प्राप्ति की गई है।

37. परिवार वेतन

1. उप-निबन्ध (3) में लिखित उदाहरणों पर कोई प्रांतवृत्त प्रभाव डाले बिना, यहाँ कि कोई कर्मचारी को निम्नलिखित परिस्थितियों में मृत्यु हो जाती है:

- (क) एक वर्ष की लगातार सेवा पूर्ण होने के बाद; कथना
- (ख) एक वर्ष की लगातार सेवा पूर्ण होने से पहले यहाँ कि संबंधित युवा कर्मचारी को, सेवा या घर पर नियुक्ति के अभाव में उचित उचित विविधता प्राधिकारी द्वारा जांच की गई हो और उसे सेवा को सेवा के लिए उक्त कर्मचारी द्वारा संबंधित किया गया हो; या
- (ग) वेतन से सेवा निवृत्ति के बाद तथा मृत्यु की तारीख की अन्वय V में वर्णित वेतन या प्रतिवृत्ति भत्ता प्राप्त कर रहे युवा कर्मचारी का परिवार, परिवार वेतन (इस प्रकार कि इस विनियम में परिवार वेतन कहा गया है) का हस्ताक्षर होता और उसके प्रति वेतन की सारणी के अनुसार निर्धारित की जाएगी।

किसी कर्मचारी की सेवा	मासिक परिवार वेतन की राशि
(i) 400 रुपए से नीचे	वेतन का 30% परन्तु कम से कम 100 रुपए
(ii) 400 रुपए और उसके ऊपर परन्तु 1,200 रुपए से नीचे	वेतन का 15% परन्तु कम से कम 100 रुपए और अधिक से अधिक 100 रुपए
(iii) 1,200 रुपए और उसके ऊपर	वेतन का 12% परन्तु कम से कम 160 रुपए और अधिक से अधिक 252 रुपए

यहाँ कि सेवा III अथवा सेवा IV के ऐसे कर्मचारी के संबंध में जो 2-1-1969 को या इसके बाद सेवा-निवृत्त हो चुके हो और जिसने मृत्यु एक सेवा निवृत्ति अथवा सेवा वेतन की सहायता के उपयोग के लिए किसी सेवा I अथवा सेवा II के कर्मचारी के रूप में अपनी परिवर्तित या परिवर्तन करने का विकल्प नहीं किया हो, तो युवा का परिवार 1-1-1979 से परिवार वेतन वाले का हस्ताक्षर होगा और उसकी प्रति वेतन की सारणी के अनुसार निर्धारित की जाएगी।

किसी कर्मचारी का वेतन	मासिक परिवार वेतन की राशि
(i) 400 रुपए से नीचे	60 रुपए
(ii) 400 रुपए और उसके ऊपर परन्तु 800 रुपए से नीचे	100 रुपए
(iii) 800 रुपए और उसके ऊपर परन्तु 1,200 रुपए से नीचे	वेतन का 12% परन्तु कम से कम 160 रुपए
(iv) 1,200 रुपए और उस के ऊपर	160 रुपए

कथना: अधिलेखना 'लगातार एक वर्ष की सेवा' यहाँ यहाँ इस विनियम में प्रयोग की गई जब तक कि यहाँ प्रयोग कि उक्त एक वर्ष के रूप की लगातार सेवा भी 'समय' से सेवा कि वर्ष (क) क में परिभाषित किया गया है।

(2) परिवार वेतन की राशि मासिक दर पर नियत की जाएगी और इसे पूर्ण रूपों में स्थल दिया जाएगा और यहाँ परिवार वेतन में एक रुपए का भाग प्राप्त हो। उसे अपने उक्त दर युवावृत्त किया जाएगा, यहाँ कि परिवार वेतन किसी को स्थिति में इस विनियम के अन्तर्गत निर्धारित अधिकतम सीमा के अतिरिक्त नहीं की जाएगी।

(3)(क)(1). यहाँ यहाँ ऐसे कर्मचारी, जो कि आमतौर पर प्रतिवृत्ति अधिविवन, 1923 (1923 या उक्त) द्वारा प्रभावित होता है, को सेवा के कमतम वर्ष की लगातार सेवा करने के बाद, सेवा में रूढ़ि हुए मृत्यु हो जाती है तो इसमें परिवार को एक परिवार वेतन की दर लिए गए मासिक वेतन के 80 प्रतिशत के अन्वय कथना उप-निबन्ध (1) के अन्तर्गत परिवार स्वयंसेवक वेतन को दो गुना होगा, इसमें जो भी कम हो, और इस प्रकार के स्वयंसेवक राशि, कर्मचारी की मृत्यु की तारीख के बाद से बात वर्षों की अवधि के लिए कथना यदि कर्मचारी जीवित रहता हो उसके द्वारा 85 वर्ष की आयु प्राप्त करने की तारीख तक की अवधि के लिए देर होगी, इसमें जो भी कम हो।

(ii) किसी ऐसे कर्मचारी (सेवा 3 या सेवा 4 के ऐसे कर्मचारियों को छोड़कर) जिसने वेतन की दर परिवर्तन के लिए विकल्प नहीं किया है जो कि सेवा के उपयोग के लिए वेतन वेतन के कर्मचारियों पर लागू होती है) को सेवा-निवृत्ति के बाद मृत्यु होने की स्थिति में उप-खण्ड (1) के अन्तर्गत निर्धारित की गई परिवार वेतन 7 वर्षों की अवधि के लिए कथना यदि कर्मचारी जीवित रहता या उसके द्वारा 85 वर्ष की आयु प्राप्त करने की तारीख तक की अवधि के लिए देर होगी, इसमें जो भी कम हो।

यहाँ कि इस बात का अन्तर्गत निर्धारित की गई परिवार वेतन की राशि किसी भी स्थिति में कोई सेवा-निवृत्त होने पर स्वीकृत वेतन के अतिरिक्त नहीं होगी, इसका अर्थव्यवस्था यह की कि यहाँ सेवा-निवृत्त पर प्राधिकृत वेतन की राशि उप-निबन्ध (1) के अन्तर्गत स्वयंसेवक परिवार वेतन की राशि से कम हो तो इस बात के अन्तर्गत निर्धारित परिवार वेतन की राशि उप-निबन्ध (1) के अन्तर्गत स्वयंसेवक परिवार वेतन की राशि तक सीमित कर दी जाएगी।

83

शर्तियाँ :

(i) इस अनुसूची के प्रयोग के लिए सेवा-निवृत्ति पर प्राविष्टत पेंशन में वेंचन या वह मास शामिल है, जो कि कर्मचारी ने मृत्यु के पहले अधिप्राप्त किया है।

(ii) जहाँ किसी मूलतः श्रेणी III और श्रेणी IV के कर्मचारी ने मृत्यु एवं सेवा-निवृत्ति अन्तर्गत और वेंचन की शर्तियों के अन्वयेण के लिए श्रेणी-I और श्रेणी-II के कर्मचारियों के हक से अपनी पत्रिका-विवरणों का परिष्कार करने का विचार नहीं किया है, तो उप-विधन (3)क (1) में दूरी बन्दि शब्दों "परिवार-वेंचन का दो पुत्र" को "परिवार-वेंचन का एक पुत्र" शब्दों द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा। यह 1-1-1979 से प्रभावी होगा और इस अन्वयेण के लिए, वेंचन को इस प्रकार से परिष्कारित किया जाएगा कि केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों के मामले में किया जाता है, लेकिन इसमें वर्तमान श्रावण, प्रोत्साहन अथवा प्री-मियम अथवा श्रमिकों और परिष्कार शर्तों द्वारा अन्वयेणों के अन्तर्गत अन्य ऐसी शर्तों-निर्देश शामिल होंगे।

(ख)(1) जहाँ किसी ऐसे कर्मचारी को कि सामान्य प्रतिपूर्ति विनियम, 1923 (1923 का 8वाँ) द्वारा प्रस्तावित होता है की वन के कम 7 वर्ष की समाप्ति सेवा करने बाद, मृत्यु हो जाती है तो उसके परिवार को देश-परिवार-वेंचन को वह लिए गए अंतिम वेतन के 30 प्रतिशत के अन्वयेण अथवा उप-विधन (1) के अन्तर्गत स्वीकार्य परिवार-वेंचन का वेतन देना होगा, इसमें जो भी कम हो। इस अन्वयेण के लिए, वेंचन को इस प्रकार से परिष्कारित किया जाएगा कि केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों के मामले में किया जाता है, लेकिन इसमें मृत्यु-श्रावण, प्रोत्साहन अथवा श्रमिकों, अंतिम वेतन अथवा श्रमिकों और परिष्कार शर्तों द्वारा अन्वयेणों के अन्तर्गत अन्य ऐसी शर्तों-निर्देश शामिल होंगे।

(ii) अनुसूची (1) के अन्तर्गत इस प्रकार के निर्धारित परिवार-वेंचन उप-विधन 3 के खंड (क) में उल्लिखित शर्तों के लिए रूढ़ होगी, बशर्ते कि जहाँ कार-बहाण गए अन्वयेण के अन्तर्गत प्रतिपूर्ति की शर्तियों नहीं की जाती है और जहाँ मृत्यु-श्रावण कर्मचारी का परिवार अन्त-बहाण गए अन्वयेण के अन्तर्गत किसी प्रतिपूर्ति के लिए मांग नहीं है, उक्त परिवार को श्रमिकों में परिवार-वेंचन खंड (क) में उल्लिखित शर्तों के लिए अन्त की जाएगी।

(ग) खंड (क) में बहाण-वर्ष अन्वयेण की समाप्ति पर उक्त खंड अथवा खंड (ख) के अन्तर्गत परिवार-वेंचन प्राप्त कर रहा परिवार उप-विधन (1) के अन्तर्गत स्वीकार्य दर पर परिवार-वेंचन प्राप्त करने का हक्कदार होगा।

4(क)(1) जहाँ अन्वयेण प्राप्त स्वयं कर्मचारी (अन्वयेण-वेंचन) विनियम, 1985 के अन्तर्गत कोई अन्वयेण स्वीकार्य है, जहाँ इस विनियम के अन्तर्गत कोई परिवार-वेंचन प्राविष्टत नहीं की जाएगी।

3. यह शर्तियाँ शिवाय कि परिवार-वेंचन अन्त की जाती है, निम्न प्रकार होंगी—

- (i) किसी विधवा या विधुर के मामले में मृत्यु होने परका पुत्र-निष्ठा करने, जो जो रहने हो, की शर्तियाँ तक
- (ii) किसी पुत्र के मामले में उम्रके द्वारा 21 वर्ष की आयु प्राप्त किए जाने तक; और
- (iii) किसी सम्बन्धित पुत्री के मामले में उम्रके द्वारा 21 वर्ष की आयु प्राप्त किए जाने तक अथवा अपना विवाह होने तक, जो भी रहने हो। उक्त कि यदि किसी कर्मचारी का पुत्र या पुत्री सम्बन्ध की किसी विधवा या अन्वयेणों के अन्त ही अथवा निर्धारित रूप से निर्धारण अथवा अन्वयेण हो, जिसमें यह पुत्र के मामले में 21 वर्ष की आयु प्राप्त किए जाने और पुत्री के मामले में 21 वर्ष की आयु प्राप्त किए जाने के बाद

की कोई सम्बन्धित करने में प्रत्यक्ष हो, तो ऐसे पुत्र या पुत्री को उक्त मांग परिवार-वेंचन अन्त की जाएगी, जो कि निर्धारित शर्तों के अन्तर्गत होंगी, अन्त—

- (i) यदि ऐसा पुत्र या पुत्री कर्मचारी का दो अथवा इतने अधिक बच्चों में से हो, जो निर्धारित परिवार-वेंचन अन्तर्गत बच्चों की इस विनियम के अन्वयेण 7 के खंड (iii) में निर्धारित किए गए रूप से उक्त अन्त तक प्राप्त की जाएगी, जब तक प्रतिशत अन्वयेण अन्त 21 अथवा 24 वर्ष की आयु अन्त की समाप्ति हो, यत्न नहीं कर लेना-निवृत्ति है और उक्त अन्त यह सम्बन्ध की विधवा अथवा अन्वयेण, निर्धारित रूप से निर्धारण अथवा अन्वयेण पुत्र या पुत्री के अन्त में जारी नहीं जाएगी और उक्त आयु-वर्ष-अन्त की जाएगी।
- (ii) यदि सम्बन्ध की विधवा या अन्वयेणों के अन्त अथवा अन्वयेण के निर्धारण या अन्वयेण पुत्र या पुत्री एक से अधिक हों, तो परिवार-वेंचन निर्धारित रूप से अन्त की जाएगी, अन्त—
- (क) प्रथम स्थान पर पुत्र की और यदि एक से अधिक पुत्र हों तो उम्र के छोटी की परिवार-वेंचन केवल उक्त पुत्र के अन्तर्गत के अन्त ही प्राप्त होंगी;
- (ख) दूसरे स्थान पर पुत्री की और यदि एक से अधिक पुत्रियाँ हों तो उम्र के छोटी की परिवार-वेंचन केवल उक्त पुत्री के अन्तर्गत के अन्त ही प्राप्त होंगी।
- (iii) परिवार-वेंचन की शर्तियों-वैध पुत्र या पुत्री की सम्बन्धन के अन्तर्गत के यह मांगकर की जाएगी कि यह अन्तर्गत है।
- (iv) ऐसे पुत्र या पुत्री की अन्तर्गत परिवार-वेंचन स्वीकृत करने के पुत्र-निवृत्ति शर्तियों-इस बात के अन्तर्गत ही जाएगी कि अन्तर्गत ऐसी शर्तों की है कि उक्त अन्त अन्तर्गत का अन्त करने में बाधा होगी और इसे छोटी के अन्त-निवृत्ति शर्तियों से प्राप्त किए गए अन्तर्गत द्वारा रहा, उक्त अन्त ही, अन्त की शर्तों-मांगकर या निर्धारित शर्तों अन्त ही अन्तर्गत किया जाएगा।
- (v) ऐसे पुत्र या पुत्री के अन्तर्गत के रूप में परिवार-वेंचन अन्त कर रहा अन्त-वैध के पुत्र-निवृत्ति शर्तियों के अन्तर्गत 3 वर्षों के अन्त-अन्त में इस अन्तर्गत का अन्तर्गत अन्तर्गत कि उक्त पुत्र या पुत्री सम्बन्ध की विधवा या अन्वयेणों में अन्त-अन्त है अथवा यह अन्त की निर्धारित रूप से निर्धारण या अन्तर्गत है।

शर्तियाँ

- (क) इस उप-विधन के अन्तर्गत परिवार-वेंचन की अन्तर्गत के अन्तर्गत के लिए श्रेणियों-अन्तर्गत किया-में ही जाएगी, जो सेवा-निवृत्ति अन्तर्गत अन्त में रहने हुए कर्मचारी की मृत्यु के पहले प्राप्त हुई हो।
- (ख) इस उप-विधन के अन्तर्गत कोई पुत्री अन्त-निवृत्ति की शर्तों के परिवार-वेंचन प्राप्त करने के अन्तर्गत ही जाएगी।
- (क) यदि कोई पुत्र या पुत्री अन्त-निवृत्ति, अन्त अन्त-अन्त कर-अन्तर्गत है तो अन्त-निवृत्ति की अन्त-निवृत्ति परिवार-वेंचन रोक दी जाएगी।
- (ख) ऐसे अन्तर्गत में अन्तर्गत-अन्त का यह अन्त है कि यह अन्तर्गत अन्तर्गत एक अन्तर्गत-अन्त अन्त-निवृत्ति (i) अन्त-अन्त-निवृत्ति अन्तर्गत अन्त-निवृत्ति की है; (ii) पुत्री के अन्तर्गत के यह कि अन्तर्गत अन्त-निवृत्ति नहीं हुआ है।



6(क)(i) वहाँ परिवार वेतन एवं वे जोड़ित दिवसों की बात की जाती है, वहाँ परिवार वेतन नियमों को उपरोक्त प्रकार भागों में देना की जाती है।

(ii) किसी विधवा की मृत्यु होने पर परिवार वेतन का प्रस्ताव प्राप्त उसके पास बचने की बात किया जायगा।

अर्थात् कि विधवा का कोई बच्चा जीवित न हो तो, परिवार वेतन का प्रस्ताव प्राप्त बच्चे के होना दिया जायगा।

(घ) वहाँ मृतक कर्मचारी का वेतन अल्पकारी को कोई जीवित विधवा ही, यद्यपि उसके पीछे दूसरी कहीं किसी मृत्यु ही यदि ही वे प्राप्त करना या बचने ही तो प्राप्त करना या बचने परिवार वेतन के उक्त भाग की बात के हकदार होने, जो बचती भाग की कर्मचारी प्रत्यक्ष वेतन प्राप्तकर्ता की मृत्यु के समय उसके जीवित होने की स्थिति में विद्यमान।

7.(i) उप-विधवा (6) में की गई व्यवस्था को दोषपूर्ण परिवार वेतन एवं ही प्राप्त परिवार वेतन से अधिक सदस्यों की बात नहीं की जायगी।

(ii) यदि कोई मृत कर्मचारी का वेतन प्राप्तकर्ता बनने पीछे विधवा या विधवा छोड़ना ही परिवार वेतन विधवा या विधवा को प्राप्त की जायगी और इसके न होने पर मृतक कर्मचारी को प्राप्त की जायगी।

(iii) यदि मृत और जीवित हुए व्यक्ति जीवित ही तो परिवार वेतन प्राप्त करने की बात समस्त उक्त हकदार नहीं होती, जब तक मृत 21 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर परिवार वेतन की मृत्यु के लिए अयोग्य नहीं जाती।

8. वहाँ कोई मृत कर्मचारी का वेतन प्राप्त करने पीछे प्राप्त वे अधिक बचने छोड़ना है, जो पहले मृत प्राप्त करना उप-विधवा (5) के अन्तर्गत (iii), यदि की स्थिति ही में बचने बचने के लिए परिवार वेतन की मृत्यु के लिए प्राप्त होना और उक्त बचने की स्थिति के बाद प्राप्त करना परिवार वेतन मृत्यु के लिए प्राप्त की जायगी।

9. वहाँ इस विधवा के अन्तर्गत परिवार वेतन किसी प्रकार का मृत्यु की जाती है, जो मृत अवस्था के लिए अयोग्यता की परत की जायगी।

(10) ऐसे मामले में वहाँ कर्म और यदि ही कर्मचारी ही और वे इस विधवा के उपलब्धी प्राप्त प्राप्त होने ही और वेतन में प्राप्त हुए को वेतन-विधवा के बाद उपलब्ध में एक ही मृत्यु ही मृत्यु, जो मृत्यु के संबंध में परिवार वेतन, जीवित यदि या कहीं छोड़ना को मृत्यु की और यदि उक्त पत्नी की मृत्यु होने की स्थिति में मृत्यु प्राप्त प्राप्त के संबंध में जीवित बचने या कर्मचारी को ही परिवार वेतन मृत्यु की जायगी जो कि पीछे निहित योग्यता में होने बचने।

(क)(i) यदि जीवित बचने या बचने उप-विधवा (3) में कोई बात पर ही परिवार वेतन लेने का कि प्राप्त हो, जो दोनों वेतनों की प्रति प्राप्त की मृत्यु यदि ही एक जीवित मृत्यु।

(ii) यदि परिवार वेतनों में वे एक वेतन उप-विधवा (3) में बचने पर ही प्राप्त करने से प्राप्त की बात की कर्मचारी उप-विधवा (1) में बचने पर ही वेतन प्राप्त को छोड़ना। दोनों वेतनों की प्रति जो प्राप्त की बात यदि प्राप्त एक जीवित मृत्यु।

(ख) यदि, दोनों परिवार वेतन उप-विधवा (1) के अन्तर्गत ही पर प्राप्त की जाती है, जो दोनों वेतनों को प्रति ही ही प्राप्त प्राप्त प्रतिपाद एक जीवित मृत्यु।

(ii) वहाँ किसी ऐसे व्यक्ति कर्मचारी का मृत्यु कर्मचारी को मृत्यु ही जाती है, जो प्राप्त पीछे जीवित एवं वे प्राप्त मृत्यु यदि या विधवा को छोड़ना है और यदि कर्मचारी वहाँ जीवित है, जो प्राप्त के संबंध में परिवार वेतन जीवित व्यक्ति को प्राप्त की जायगी।

यद्यपि कि ऐसे मामले में वहाँ जीवित एवं वे प्राप्त होने की मृत्यु पर प्राप्त के प्रकार पर ही जाती है और कर्मचारी की मृत्यु जीवित एवं वे प्राप्त होने की स्थिति के दौरान होती है, और ऐसे जीवित व्यक्ति की परामर्श का पीछे छोड़ना बात है, जो परिवार वेतन प्राप्त जीवित व्यक्ति की बात मृत्यु की जायगी।

12.(क) वहाँ किसी ऐसे व्यक्ति कर्मचारी का मृत्यु कर्मचारी की मृत्यु ही जाती है जो प्राप्त पीछे एक बचने या बचने के साथ अधिक एवं वे प्राप्त प्राप्त यदि या विधवा को छोड़ना है, जो मृत्यु के संबंध में प्राप्त की बात, यानी परिवार वेतन, जीवित व्यक्ति को प्राप्त की जायगी, यद्यपि कि वह ऐसे बचने या बचने का अयोग्यता है।

(ख) वहाँ जीवित व्यक्ति ऐसे उप-विधवा को अयोग्यता वहाँ प्राप्त है, जो ऐसी परिवार वेतन एक व्यक्ति को प्राप्त की जायगी जो ऐसे उप-विधवा का वास्तविक अयोग्यता है।

13.(क) यदि वेतन में प्राप्त हुए किसी कर्मचारी की मृत्यु होने की स्थिति में यदि कोई व्यक्ति को ही परिवार वेतन के अन्तर्गत परिवार वेतन प्राप्त करने का प्राप्त है, पर कर्मचारी को प्राप्त करने का ऐसे किसी अवस्था को करने में उपलब्ध का कारण अयोग्यता है, जो परिवार वेतन प्राप्त करने के संबंध में परिवार के साथ प्राप्त मृत्यु का सदस्य मृत्यु ऐसे व्यक्ति का प्राप्त, उसके विरुद्ध उपलब्ध ही यदि वास्तविकता को मनाया होने एक ही छोड़ना।

(ख) यदि उप-विधवा (क) में मृत्यु वास्तविकता कर्मचारी को प्राप्त पर अयोग्यता स्थिति को—

(i) कर्मचारी की मृत्यु करने का प्राप्त में उपलब्ध के लिए पीछे प्राप्त जाता है, जो ऐसे व्यक्ति को परिवार वेतन प्राप्त करने से प्राप्त प्राप्त और वहाँ कर्मचारी की मृत्यु की मृत्यु ही परिवार वेतन प्राप्त प्राप्त मृत्यु की बात की जायगी।

(ii) कर्मचारी की मृत्यु करने का प्राप्त में उपलब्ध के कारण के लिए प्राप्त प्राप्त प्राप्त है, जो ऐसे व्यक्ति को कर्मचारी की मृत्यु की मृत्यु ही परिवार वेतन प्राप्त प्राप्त की जायगी।

(घ) उप-विधवा (क) और उप-विधवा (ख) के उपलब्ध पीछे परिवार वेतन पर ही प्राप्त होने, जो वेतन विधवा के प्राप्त प्राप्त कर्मचारी की मृत्यु पर प्राप्त करने पीछे ही जाती है।

14. इस विधवा के अन्तर्गत के लिए—

(क) "परिवार वेतन" में अयोग्यता प्राप्त मृत्यु मृत्यु के ही यदि वेतन अयोग्यता है, जो उपलब्ध अयोग्यता जीवित मृत्यु है—

- (i) विधवा की अवधि, यदि कोई ही, और
- (ii) 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने के पहले ही यदि वेतन की अवधि यदि कोई है।

(ख) किसी कर्मचारी के संबंध में "परिवार वेतन" का अयोग्यता अयोग्यता है—

(i) किसी मृत्यु कर्मचारी के मृत्यु में किसी अवस्था किन्हीं महिला कर्मचारी के मृत्यु में प्राप्त, यद्यपि कि विधवा कर्मचारी के मृत्यु मृत्यु ही न प्राप्त होने ही।

81

(ii) (क) व्यक्ति रूप से अलग हुई पत्नी या पति यदि इस शर्त से अलग होना पारामर्श के अन्तर्गत पर न मंजूर किया गया हो, यद्यपि कि, विवाह कर्मचारी के सेवा-निवृत्त होने से पूर्व हुआ हो और अतिरिक्त उन्हे जाने व्यक्ति को पारामर्श का बोध न उद्भवता तब हो।

(ii) पुत्र, जिसने 21 वर्ष की आयु प्राप्त न की हो तथा अधिनियम 21 की धारा 21 के अन्तर्गत न प्राप्त की हो, जिसमें सेवा-निवृत्ति से पूर्व कानून का वे अधिक किए हुए तथा पूर्ण प्राप्त हैं, लेकिन सेवा निवृत्ति के बाद सेवा-रूप पुत्र या पुत्री शामिल नहीं है।

(क)(i) "वेतन" के ऐसी परिभाषिकाएं शामिल हैं, जो नियम 21 में निर्दिष्ट हैं, लेकिन इनमें कार्यपूरक भ्रमण पर, प्रोत्साहन असाधारण और परिवार इत्यादि प्रकार के असाधारण ऐसी अन्य असाधारण शामिल नहीं हैं, जिन्हें वेतन के रूप में माना जाता है। इनमें कर्मचारी को सेवा के अंतर्गत न महीने के दौरान ही पद प्राप्त के संबंध में दिया जाता, तथा

(ii) अधिनियम 22 में शक्ति प्रोत्साहन परिभाषिका, यदि वृत्त कर्मचारी को परिभाषिकाओं को उनकी सेवा के अंतर्गत हीन महीने के दौरान कम किया गया हो, जो कि दण्ड के रूप में न दिया गया हो।

परामर्श -- 7

वेतन तथा मृत्यु एवं सेवा निवृत्ति उपरान्त की मंजूरी के लिए पद्धति

38. वेतन तथा मृत्यु एवं सेवा-निवृत्ति उपरान्त की मंजूरी के लिए पद्धति

वेतन, परिवार वेतन तथा मृत्यु एवं सेवा निवृत्ति उपरान्त की मंजूरी को पद्धति यह होगी, जो अधिनियम द्वारा समय समय पर अधिनियम को लागू।

39. सेवा निवृत्त होने वाले कर्मचारियों की सुची तैयार करना :

(1) विभागाध्यक्ष वर्ष में एक बार, अर्थात् प्रत्येक वर्ष की पहली जनवरी को ऐसे सभी कर्मचारियों की एक सुची तैयार करेंगे, जो उक्त शारीक के भाग के 6 से 18 महीनों में सेवा निवृत्त होने वाले हैं।

(2) ऐसी प्रत्येक सुची की दो प्रतियां वित्तीय सहायकार एवं मुख्य सेवा अधिकारी को उक्त वर्ष की 31 जनवरी से पूर्व भेजी जाएगी।

(3) सेवा कर्मचारी को अधिकाधिक को छोड़कर, [सक्य कार्यों से सेवा निवृत्त हो रहा हो के मामले में विभागाध्यक्ष को अवे ही ऐसी सेवा निवृत्ति के बारे में बात होना है, वे विशेष सहायकार एवं मुख्य सेवा अधिकारी को लक्ष्यक द्वारा सूचना देंगे।

(4) यदि संबंधित कर्मचारियों को पता नमाने का प्रयास आरंभ किया गया हो तो विभागाध्यक्ष द्वारा वित्तीय सहायकार एवं मुख्य सेवा अधिकारी को भेजी गई सूचना को एक प्रतिनिधि श्रेणी I, II तथा III के कर्मचारियों के मामले में वृत्त प्रबंध को तथा श्रेणी IV के मामले में अथ सहायकार तथा औद्योगिक संबंध अधिकारी को भेजी जाएगी।

(5) विभागाध्यक्ष वर्ष में एक बार तैयार अर्थात् प्रत्येक वर्ष की पहली जनवरी को, श्रेणी (IV) के ऐसे सभी कर्मचारियों, जो कि श्रेणी III के पदों पर पदोन्नति किए गए हैं, और जो उक्त

शारीक के भाग के 6 से 18 महीनों में सेवा निवृत्त हो रहे हैं, को एक समय सुची की तैयार करके और ऐसी प्रत्येक सुची की दो प्रतियां वित्तीय सहायकार एवं मुख्य सेवा अधिकारी को उक्त वर्ष की 31 जनवरी से पहले भेजी। सुची में

(1) संबंधित कर्मचारी की श्रेणी III पर पर स्वाभाविक रूप से सहायकार निवृत्ति की शारीक और (2) संबंध का शारीक जिसके अन्तर्गत श्रेणी IV पदों में की गई सेवा के संबंध में पूर्णतः, स्वाभाविक प्रमाण-पत्र सेवा शीट पर कर्मचारी विभागतिक शीट और संबंधित कर्मचारी का छुट्टी सेवा वित्तीय सहायकार एवं मुख्य सेवा अधिकारी को भेजा गया है तथा श्रेणी III पर पर कर्मचारी के स्थानी होने की शारीक के संबंध में भी स्पष्ट किया जाएगा। श्रेणी III पर पर स्वाभाविक रूप से कार्य पर रहे श्रेणी IV के ऐसी कर्मचारियों को भेजने में भी शर्तें ऐसे पर पर स्थानी नहीं किए गए हैं, सुची में ऐसे कर्मचारी की श्रेणी-III पर पर स्वाभाविक रूप से सहायकार निवृत्ति की शारीक दिखाई जाएगी।

40. वेतन सहायताओं को तैयार करना

अधिकाधिक पर सेवा निवृत्त होने वाले सभी कर्मचारी को सेवा निवृत्ति की शारीक में 9 महीने पहले प्रत्येक विभागाध्यक्ष वेतन सहायताओं को तैयार करने का कार्य आरम्भ कर दिया। ऐसा करने समय विभागाध्यक्ष श्रेणी IV के कर्मचारियों को सेवा शीट की परीक्षा करने और उसके तब अधिनियमों के सुची होने के संबंध में उक्त की अनुमति करेंगे। विभागाध्यक्ष वेतन सहायताओं को तैयार करवाएँ और वेतन सहायताओं को सभी संबंधित सहायताओं सहित वित्तीय सहायकार एवं मुख्य सेवा अधिकारी को, कर्मचारी को सेवा निवृत्ति की शारीक से कम से कम चार महीने पहले दिखावाएँ।

वेतन सहायताओं को अंतर्धान से पहले विभागाध्यक्ष द्वारा उक्त संबंध हो, सेवा निवृत्ति होने वाले कर्मचारी द्वारा शीट की दो प्रतियां 30 पर 30 दिनों के भीतर तैयार करवाएँ और वित्तीय सहायकार एवं मुख्य सेवा अधिकारी को वेतन सहायता विवरणों समय उन्हें इसकी सुचना देने ताकि उपरान्त की असाधारण प्राविष्ट किए जायें। से पहले देव राशिओं को उक्तमें से वसूल कर लिया जाए। यदि शीट की दो प्रतियों के शीटों के संबंध में वित्तीय सहायकार एवं मुख्य सेवा अधिकारी को सूचित करने के बाद, विभागाध्यक्ष के अन्तर्गत में शीट की दो प्रतियां अधिनियम रूप से लाई, जाती है, तो ऐसी दो प्रतियां को वित्तीय सहायकार एवं मुख्य सेवा अधिकारी को लक्ष्यक सूचित दिखा-जाएगा।

टिप्पणी:- यदि आवश्यक प्रमाणता वेतन के लिए हो, या मुख्य अधिकाधिकारी से अधिनियम असाधारण वेतन सहायता के माग संलग्न किया जाएगा।

41. वेतन को असाधारण करने को शीट पर उक्त के संबंध में वित्तीय सहायकार एवं मुख्य सेवा अधिकारी को सूचना देंगे।

यदि वित्तीय सहायकार एवं मुख्य सेवा अधिकारी को वेतन सहायता संबंध के बाद, अधिनियम 40 में निर्दिष्ट शक्ति के अन्तर्गत पढ़ना हो जाती है, जिसका शीट-वेतन वेतन को शक्ति पर उक्त पर उक्त हो, तो वह तथा वित्तीय सहायकार एवं मुख्य सेवा अधिकारी को लक्ष्यक सूचित किया जाएगा।

42. वित्तीय सहायकार एवं मुख्य सेवा अधिकारी द्वारा वेतन और सहायता की अनुमति

नियम 40 में निर्दिष्ट वेतन सहायताओं को शक्ति पर, वित्तीय सहायकार एवं मुख्य सेवा अधिकारी अधिनियम प्राप्त लागू करेंगे, वेतन और उपरान्त की शक्ति का मुहताब करेंगे और कर्मचारी को सेवा निवृत्ति की शारीक से कम से कम एक महीने पहले उक्तमें असाधारण अधिनियम करेंगे।

पेंशन तथा मृत्यु एवं सेवा निवृत्ति को धारणीय अधिकृत किए जाने के बाद विधायक सभासदकार एवं मुख्य सहायिकाकार पेंशन तथा मृत्यु एवं सेवा निवृत्ति उपदान वित्त को तैयार करवाने की व्यवस्था करेंगे। विधायक सभासदकार एवं मुख्य सहायिकाकारों नियम 39 के उप नियम (2) में उल्लिखित अनुसार धारा I, II तथा III कर्मचारियों की सूची की प्रतिलिपि पर ऐसे कर्मचारियों के संबंध में उनके कार्यविनय में उद्योग में रखी गई सेवा कीर्तियों में प्रविष्टियों के पत्रों होने के संबंध में ज्ञापन की व्यवस्था की करेगी। नियम 30 के उपनियम 5 में उल्लिखित अनुसार धारा IV पर के धारा III पर पर प्रवर्धित हुए कर्मचारियों की सूची की प्रतिलिपि पर, विधायक सभासदकार एवं मुख्य सहायिकाकारों, सूची में बतौर गए किसी भी ऐसे कर्मचारियों द्वारा धारा III में की गई सेवा के संबंध में सेवा कीट जोड़ने की व्यवस्था करेंगे, जिसके बारे में ऐसी कीट करने से न छोड़ी गई हो।

43. कालानुसारी सेवाओं की संरक्षणी

किसी कर्मचारियों की संरक्षणी की गई सेवा/मृत्यु एवं सेवा निवृत्ति उपदान की राशि, यदि बाद में इस नियम के अंतर्गत पत्रों की हकदारों को राशि से प्राप्त हुई जाती है, तो वह ऐसी कालानुसारी राशि को प्राप्त करने के लिए विधायक सभासदकार तथा मुख्य सहायिकाकारों से मांग करेगा।

इस प्रवर्धन के लिए विधायक सभासदकार एवं मुख्य सहायिकाकारों द्वारा संबंधित व्यक्ति को एक नोटिफिकेशन दिया जाएगा, जिसके अनुसार उसके द्वारा नोटिफिकेशन होने की तारीख से दो महीने की अवधि में उसे कालानुसारी मांग करनी होगी, नोटिफिकेशन प्राप्त न किए जाने पर विधायक सभासदकार एवं मुख्य सहायिकाकारों यह धारणा रहे कि ऐसी कालानुसारी मांग उसके द्वारा दीया समझी जाने वाली एक अवधि एक से अधिक दिनों में अधिकतम में संबंधित व्यक्ति को प्राप्त करावनी द्वारा समाप्तित की जाएगी।

धारा 3

बोर्ड की वेतनाई

44. (1) बोर्ड की वेतनाई की संरक्षणी और सहायिकाकार सेवा निवृत्ति को धारणीय अधिकृत का यह धारणा होगा कि वह अपनी सेवा निवृत्ति की तारीख से पहले बोर्ड की सभी वेतनाई को चुका दे।

(ii) अगर सेवा निवृत्ति को धारणीय अधिकृत बोर्ड की वेतनाई को चुकाता है। और ऐसी वेतनाई का पूरा भरण या प्रत्यक्ष है तो:—

- (क) उसके अग्रतुल्य वेतनाई—अथवा, सेवा जा सकता है; अथवा
- (ख) उसकी भण किए जाने से उपदान में से बोर्ड की एक सहाई या करने वाली वेतनाई के कारण मृत्यु को धारणीय राशि की उपदान। राशि, काट ली जाएगी।

व्याख्या— धारणीय सेवा "बोर्ड की पूरा भरण या करने वाली वेतनाई" में यह निर्धारण प्रत्यक्ष, सहित, बोर्ड द्वारा प्रदान किए गए आवास की व्यवस्था की या सेवा, वेतन और भत्तों की धारणीय प्रदायनी तथा वायवरर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अंतर्गत कोट पर भर्ती जाने वाली वायवरर की प्रदायनी शामिल है।

45. बोर्ड की प्रत्यक्ष तृई और मृत्यु/मृत्यु न होने पर वेतनाई

- (क) यदि बोर्ड की कोई भी वेतनाई (नियम 14 में उल्लिखित वेतनाई के अंतर्गत) किन्हीं भी धारणीय के प्रवर्धन होने तथा मृत्यु/मृत्यु करने से यह जाए, तो सेवा निवृत्ति को धारणीय कर्मचारी से उचित वेतन तथा ली जा सकती है अथवा ली

जाए बिना जाने जाने उपदान का सेवा भाग को धारणीय भाग जाए, यह धारणा लगे रोका जा सकता है, जब तक मृत्यु/ वेतनाई का मृत्यु/मृत्यु एवं उनका प्रदायनी न कर लिया जाए।

- (ख) जो जाने वाली वेतनाई तथा मृत्यु/मृत्यु को धारणीय राशि, मृत्यु/ वेतनाई की अनुवर्धित राशि और उनका राशि के 25 प्रतिशत के भाग के जोड़ से अधिक नहीं होगी।
- (ग) बोर्ड को मृत्यु/मृत्यु वेतनाई का मृत्यु/मृत्यु एवं सहायिकाकारों के लिए एकलौख प्रदायन किए जाएंगे।
- (घ) मृत्यु/मृत्यु को धारणीय वेतनाई की वेतनाई तथा उनका उपदान को रोका गई राशि में समाविष्ट किए जाएंगे और सेवा की कोई भी, जो सेवा निवृत्ति कर्मचारी की सेवा प्रदायनी।

धारा 4

पेंशन तथा मृत्यु एवं सेवा निवृत्ति उपदान को धारणीय

46. पेंशन की प्रदायनी

- (1) नियम 8 के उपधाराओं के अधीन रखी हुए, परिहार पेंशन को छोड़कर अन्य कोई पेंशन उस धारणीय से प्राप्त किए जाने योग्य होगी, जिस तारीख से कोई कर्मचारी सेवा/मृत्यु में लगे रहता है।
- (2) नाभिक दरों पर नियत किसी पेंशन की प्रदायनी नाभिक कीट पर अथवा धारणीय महीने की मृत्यु/मृत्यु के साथ ली जाएगी।
- (3) परिहार पेंशन सहित कोई उच्च धारणीय के लिए प्रदायन किए जाने योग्य होगी जिन दिनांक प्रदायनी को मृत्यु हो जाती है।
- (4) किसी पेंशन प्राप्त करने की मृत्यु पर, धारणीय का वेतनाई पेंशन की प्रदायनी की प्रदायनी उनके कालानुसारी वेतनाई की लगे हुए से ली जाएगी अथवा कि प्रदायन द्वारा करने लगे पर निर्धारित की जाती है।

47. मृत्यु एवं सेवा निवृत्ति को धारणीय

एक दिवसों में की गई व्यवस्था के अंतर्गत, प्रदायन उपदान को धारणीय एक मृत्यु रूप में ली जाएगी।

धारा 10

पेंशन का धारणीयकरण

48. धारणीयकरण के लिए धारणीय

किसी कर्मचारी से धारणीय पर यह ली गई जाती के अधीन, प्रदायन किसी पेंशन, जो कि इन दिवसों के अंतर्गत लगे मृत्यु की गई है की संरक्षणी की जाए, के अधिकतम राशि एक विधायक भाग की एतदुःख प्रदायनी के लिए धारणीयकरण की संरक्षणी दे सकते हैं।

धारणीय कि कोई कर्मचारी जिसके विषय में धारणीय प्रदायनी धारणीय प्रदायनी प्रारंभ की गई है अथवा कोई पेंशन प्रदायनी जिनके विषय में कोई ऐसी धारणीय धारणीय की गई है या जारी है, जो ऐसी कर्मचारी के विधायक प्रदायनी के अंतर्गत उनकी वेतन के लिए प्राप्त की धारणीय करने की संरक्षणी नहीं की जायेगी।

79

भाग II—खण्ड 3(i)

49. सार्वभौमिकरण के लिए बिक्रिता परीक्षण

(1) सार्वभौमिकरण के लिए आवेदन की प्राप्ति पर विभागाध्यक्ष, जिसके अधीन कर्मचारी सेवा के अधीन सेवा-नियुक्ति के सम्बन्ध पहले नियोजित था, मामले को अपनी बिक्रितियों सहित वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य सेवाधिकारी के सामने से भेजेगा।

(2) कोई आवेदन भी—

- (i) इन नियमों के नियम 23 के अन्तर्गत प्रत्यक्षता पेंशन पर सेवा नियुक्त होगा है; अथवा
- (ii) किसी दण्ड स्वरूप सेवा से अनिवार्य और पर सेवा नियुक्त हुआ है और यदि इन नियमों के नियम 27 के अन्तर्गत पेंशन मंजूर की गई है; अथवा
- (iii) इन नियमों के नियम 25 के अन्तर्गत प्रतिपूर्ति भत्ता प्राप्त कर रहा है, अथवा
- (iv) जो उप नियम (3) में वर्णित किसी पेंशन पर सेवा से सेवा-नियुक्त हुआ है, लेकिन सार्वभौमिकरण के लिए उनका आवेदन अपनी सेवा-नियुक्ति के एक वर्ष के अन्दर वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य सेवा अधिकारी के कार्यालय में प्राप्त नहीं हुआ है, अपनी सेवा के एक भाग के सार्वभौमिकरण के लिए पात्र होगा, जो कि मुख्य बिक्रिता अधिकारी अथवा अध्यक्ष द्वारा विवेक विधि एवं अन्य बिक्रिता अधिकारी द्वारा स्वरूप घोषित किए जाने के बाद नियम 38 में विधिबद्ध शीमा को कर्तव्य के अधीन होगा।

प्रत्यक्ष द्वारा सार्वभौमिकरण के प्रस्ताव की स्वीकृति किए जाने पर, विभागाध्यक्ष पेंशन प्राप्तकर्ता को मुख्य बिक्रिता अधिकारी अथवा विवेक में रखे रहे एवं कर्मचारी से पर्याप्त दूरी पर रखे पेंशन प्राप्तकर्ता के मामले में ऐसे अन्य बिक्रिता अधिकारी जिन्हें लिए अध्यक्ष द्वारा विवेक दिया जाए, विवेक की प्राप्ति की तारीख के तीन महीने के अन्दर इस प्रस्ताव के प्रत्यापन के लिए कि पेंशन प्राप्तकर्ता सार्वभौमिकरण के योग्य है, के मामले प्रस्तुत होने का विवेक देने। यदि पेंशन प्राप्तकर्ता ऊपर बताए गए अनुसार, तीन महीने की अवधि में बिक्रिता परीक्षण के लिए स्वयं को प्रस्तुत नहीं करता है, तो इस प्रकार के स्वयं को प्रस्तुत किए जाने लिए अध्यक्ष अधिक से अधिक तीन महीने की समय बुद्धि मंजूर कर सकते हैं, और इस तारीख के बाद सार्वभौमिकरण के लिए आवेदन को वापस किया गया माना जाएगा।

बिक्रिता प्रत्यापन को विभागाध्यक्ष द्वारा वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य सेवा अधिकारी के सामने के सम्बन्ध को सेवा जाएगा और वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य सेवा अधिकारी उप पर पेंशन के सार्वभौमिकरण मूल्य की रिपोर्ट, अध्यक्ष को देने और इस प्रयोजन के लिए आन्तर्गत अन्वयित पर आवेदन की धारु बिक्रिता रिपोर्ट के अन्तर् में निर्धारित की जाएगी। अतः, पेंशन प्राप्तकर्ता मुख्य बिक्रिता अधिकारी के सामने बिक्रिता परीक्षण के लिए स्वयं को प्रस्तुत करने के पहले विभागाध्यक्ष को लिखित रूप में सूचना देने के बाद किसी भी समय अपने आवेदन की उपाय से सकता है, लेकिन मुख्य बिक्रिता अधिकारी अथवा उप नियम (1) में बताए गए किसी अन्य बिक्रिता अधिकारी के सामने प्रस्तुत होने के बाद किसी भी स्थिति में इसके लिए मंजूरी नहीं दी जाएगी।

(3) कोई आवेदन, जिसे विभागाध्यक्ष के लिए प्रेषित किया गया है—

- (i) पेंशन विनियम के नियम 23 के अन्तर्गत अधिकाधिकी पेंशन, अथवा
- (ii) पेंशन विनियम के नियम 24 के अन्तर्गत सेवा-नियुक्ति पेंशन, अथवा
- (iii) पेंशन विनियम के नियम 28 के अन्तर्गत स्थायी पत्र को अन्तर्गत किए जाने पर प्रतिपूर्ति पेंशन, अथवा

(iv) पेंशन विनियम के नियम 28 में वर्णित विभागीय प्रथमा व्यापिक कार्यवाही के निश्चयन तथा उप पर अतिरिक्त आवेदन जारी होने पर संपूर्ण प्रथमा व्यापिक पेंशन, पेंशन प्राप्तकर्ता नियम 48 में विधिबद्ध शीमा की शर्त के अधीन अपने पेंशन के किसी भाग को बिक्रिता परीक्षण के अन्तर् सार्वभौमिकरण करने का पात्र होगा, बशर्ते कि आवेदन की सेवा नियुक्ति की तारीख से एक वर्ष के अन्दर वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य सेवाधिकारी के कार्यालय में सार्वभौमिकरण के लिए आवेदन प्राप्त हो जाता है।

बशर्ते कि नियम 49 के उप-नियम (3) के अन्तर् (iv) में बताए गए आवेदन के मामले में, इस उप-नियम में वर्णित एक वर्ष की अवधि विभागीय प्रथमा व्यापिक कार्यवाही की अंतिम रूप दिए जाने के परिधान स्वरूप आवेदों को जारी करने की तारीख के तुरन्त जाएगी। वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य सेवाधिकारी, पेंशन के सार्वभौमिकरण मूल्य के बारे में प्रथमा को एक रिपोर्ट देना और इस प्रयोजन के लिए आन्तर्गत अन्वयित पर आवेदन की धारु सेवा शीट में वर्ष अन्त की तारीख के अन्तर् में निर्धारित की जाएगी और इसे पेंशन संबंधी कार्यवाही के प्रयोजन के लिए क्षिप्य में लिया जाएगा।

कोई कर्मचारी जो अधिकाधिकी पर सेवा नियुक्त हो रहा है, यह पात्र है कि पेंशन के सार्वभौमिकरण मूल्य की अन्तर्गती, पेंशन प्रेषित किए जाने समय प्रेषित कर दी जाए, तो यह अपनी सेवा नियुक्ति की तारीख से पूर्व पेंशन के एक भाग के सार्वभौमिकरण के लिए आवेदन करने का पात्र होगा, बशर्ते कि—

- (क) कर्मचारी केवल सेवा-नियुक्ति पेंशन पर सेवा नियुक्त हुआ है; और
- (ख) आवेदन प्रत्यक्ष को प्रस्तुत किया जाता है जो उसके पास अधिकाधिकी की तारीख से कम से कम तीन महीने पहले पहुंच जाए। यदि वह अवधि कर्मचारी की अधिकाधिकी की तारीख से तीन महीने से कम हो, तो ऐसे किसी आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जाएगा; और
- (ग) यदि कर्मचारी की अधिकाधिकी की तारीख में पहले धारु हो जाती है अथवा ऐसी सेवा नियुक्ति से पूर्व पेंशन का दाव खारिज हो जाता है, तो पेंशन के सार्वभौमिकरण मूल्य की अन्तर्गती के लिए कोई भी कोई देनकारी नहीं होगी।

पेंशन के सार्वभौमिकरण के लिए आवेदन को विभागाध्यक्ष पेंशन प्राप्तकर्ता के सामने विभागाध्यक्ष एवं मुख्य सेवा अधिकारी को भेजेगा।

(4) मुख्य सेवाधिकारी अथवा विवेक में रखे रहे या कर्मचारी के पूर्णतः दूरी पर रहने वाले पेंशन प्राप्तकर्ता के मामले में उपर्युक्त उप-नियम (2) में बताए गए अन्य बिक्रिता अधिकारी द्वारा पेंशन के सार्वभौमिकरण के प्रयोजन के लिए पेंशन प्राप्तकर्ता को धारु को उसके वास्तविक धारु की अन्तर्गती अधिकाधिकी घोषित किए जाने पर विभागाध्यक्ष द्वारा पेंशन प्राप्तकर्ता को सूचना के प्राप्त होने की तारीख से दो वर्षाह में लिखित रूप में यह बताने के लिए कहा जाएगा कि क्या इन परि-स्थिति में यह अभी भी पेंशन के एक भाग के सार्वभौमिकरण का उद्देश्य है।

यदि उपर्युक्त निर्धारित दो वर्षाह की अवधि में पेंशन प्राप्तकर्ता सार्वभौमिकरण के लिए अपने आवेदन को लिखित रूप से मांग नहीं करता है, तो यह माना जाएगा कि अपने सार्वभौमिकरण की स्वीकार कर दिया है।

(5) पेंशन प्राप्तिपूर्वक के विभिन्न परीक्षण के संबंध में इच्छे हुए एवं विहित या औपचारिक परीक्षा के अन्तर्ग में यदि वह अपनी वास्तविकी में होते हुए, यद्यपि विवरण देता है या जागृकर किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छुपाता है, तो प्रत्यक्ष सार्वभौमिकता की स्वीकृति की वास्तविक प्रत्याभूति किए जाने से पहले, किसी भी समय उसे रद्द कर सकते हैं और ऐसे विवरण या तथ्य छुपाने की संशयित प्रतीति या संकेत है, तबले लिए दोष की पेंशन प्रदान करने किसी भाग को रोकने या वापस लेने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

(6) सार्वभौमिकता के लिए आवेदन करने वाले ऐसे पेंशन प्राप्तकर्ता को किसी मुख्य अधिकारी अधिकारी या विदेश में रहे रहे या कलकत्ता से प्रस्थित दूरी पर रहने वाले पेंशन प्राप्तकर्ता के मामले में उपरोक्त उप नियम (2) में उल्लिखित अन्य अधिकारी अधिकारी को विचारितों पर सार्वभौमिकता के अन्वेषण एवं जाने पर एक बार रद्द किया जा सकता है प्रथम या उच्च अधिकारी या अधिकारी द्वारा उनके मामले सम्बन्धित या इसकी धारणा में विचारितों लिए हुए शर्तों की वृद्धि के आधार पर, अपने सार्वभौमिकता की स्वीकार करने के एक बार समा कर दिया हो, की स्वयं अपनी वास्तविकी की मूल प्रतियों में संशोधन किए जाने की वृद्धि के बाद से एक बार फिर विहित परीक्षण के लिए प्रस्तुत होने की स्वीकृति को वा सकता है, बशर्त कि प्रथम अधिकारी परीक्षण समा दूसरे परीक्षण के बीच कम से कम एक वर्ष का समय अन्तर्विहीत हो चुका हो।

(7) मुख्य अधिकारी अधिकारी या विदेश में रहे रहे या कलकत्ता से प्रस्थित दूरी पर रहने वाले पेंशन प्राप्तकर्ता के मामले में उपरोक्त उप-नियम (2) में उल्लिखित अन्य अधिकारी अधिकारी द्वारा यदि कौन सा भी जाए तो इसकी प्रत्याभूति पेंशन प्राप्तकर्ता को स्वयं करनी होगी, और अधिकारी परीक्षण के संबंध में सभी अन्य शर्तों की भी यह सबसे प्रकाशना।

(8) विहित अधिकारी द्वारा विहित प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर किए जाने की तारीख से सार्वभौमिकता पूर्ण हो जाएगा, भर्त्स्य पेंशन के सार्वभौमिकता भाग को प्राप्त करने का अधिकार समाप्त हो जाएगा और पेंशन के सार्वभौमिकता मूल्य को प्राप्त करने का अधिकार मिल जाएगा। इससे पूर्वक यह भी कि उप-नियम (3) के अन्तर्गत प्राप्ति वाले मामलों में सार्वभौमिकता एक तारीख को पूर्ण होगा, फिर तारीख को इसका आवेदन, वितीय सहायता एवं मूल्य सेवा अधिकारों के सम्बन्ध में प्राप्त होता है, भर्त्स्य सेवा-निवृत्त कर्मचारी को सार्वभौमिकता का मूल्य प्राप्त करने का अधिकार प्राप्त हो जाएगा।

(9) सार्वभौमिकता पर भ्रम किए जाने वाले एक मुक्त राजि मानव सरकार द्वारा समझ-बूझ पर अपने कर्मचारी को लिए निष्पक्षिक की गई सुधि अथवा सूचियों तथा सार्वभौमिकता को पूर्ण होने की तारीख को आवेदन पर जानू होने की अनुसार परिष्कृत हो जाएगी।

(10) सार्वभौमिकता मूल्य की प्रत्याभूति तथा संभव शीघ्र की कारण वास्तविक प्रत्याभूति की तारीख कोई भी हो प्रथम की गई राशि और पेंशन पर इसका प्रभाव नहीं होगा जो कि सार्वभौमिकता को पूर्ण होने की तारीख को अथवा किए गए सार्वभौमिकता का मूल्य होगा। यदि पेंशन के सार्वभौमिकता भाग को सार्वभौमिकता के पूर्ण होने की तारीख के बाद प्राप्त के लिए गया हो, तो निम्नलिखित कई राशि सार्वभौमिकता पर अदा किए जाने वाली राशि से घटा दी जाएगी।

(11) यदि पेंशन प्राप्तकर्ता की सार्वभौमिकता के पूर्ण होने के दिन या उसके बाद, परन्तु सार्वभौमिकता का मूल्य प्राप्त करने से पहले मरु हो जाती है, तो यह मूल्य उसके सम्पत्ति उत्तराधिकारियों को प्राप्त किया जाएगा।

(12) किसी ऐसे आवेदक के विरुद्ध अपने शीघ्र पेंशन के एक भाग को सार्वभौमिकता किया है और सार्वभौमिकता के बाद उसकी पेंशन में भ्रष्टाचार प्रमाण से संबंधित तथा वृद्धि का कई हो, तो बशर्त कि पेंशन के संबंध में निर्धारित किए गए सार्वभौमिकता मूल्य तथा पहले से प्राप्तिगत किए गए सार्वभौमिकता मूल्य में बीच के अंतर को प्रत्येक की

प्राप्ति किया जाएगा। अन्तर्ग की प्रत्याभूति के लिए आवेदक को तब तब से सम्बन्ध करने की आवश्यकता नहीं है।

बशर्त कि किसी ऐसे आवेदक के मामले में विहित मुख्य अधिकारी अधिकारी अथवा उप नियम (2) में उल्लिखित अधिकारी द्वारा स्वयं घोषित किए जाने के बाद अपनी मूल पेंशन के एक भाग को की कि एक ही रूप से अन्तर्गत न हो, की सार्वभौमिकता किता है, तथा पेंशन में भ्रष्टाचार प्रमाण से संबंधित किए जाने के परिणामस्वरूप यह एक ही रूप परिणाम से अधिक के सार्वभौमिकता का पात्र हो जाता है, तो एक ही रूप परिणाम के सार्वभौमिकता मूल्य और मूल पेंशन के एक भाग के सार्वभौमिकता मूल्य के बीच के अन्तर के संबंध में उसे किसी अधिकारी अधिकारी परीक्षण के लिए स्वीकृति दी जाएगी। एक ही रूप प्रति पत्र से अधिक की राशि के सार्वभौमिकता को तब, सार्वभौमिकता भाग वापस और यह विहित परीक्षण की शर्त के अधीन स्वीकार किया जाएगा।

अध्याय 11

विधियाँ

20. निर्दिष्ट

यहां इन विधियों के निर्दिष्ट के संबंध में कोई शंका उत्पन्न हो, तो इसे वितीय सहायता एवं मुख्य सेवा अधिकारी के माध्यम से संपर्क की निर्दिष्ट के लिए भेजा जाएगा।

21. छूट देने की शक्ति

यहां विभागाध्यक्ष इस बात से तन्मूक्त हो कि इन विधियों को लागू किए जाने से किसी विशेष मामले में प्रस्तुत कठिनाई हुई है, तो वह मामले की विधीय सहायता एवं मुख्य सेवा अधिकारी के माध्यम से अन्वेषण को मेक सकता है और अन्वेषण विधिय रूप में रद्द किए गए कारणों से आवेदन द्वारा उक्त नियम की अपेक्षाओं को ऐसी शीघ्र और ऐसे स्वभावों और शर्तों के अधीन जो कि मामले से संबंधित और स्वाभाविक रूप से सम्बन्धित करने के लिए अपेक्षित समझा जाए, छूट दे सकता है या हटा सकता है।

22. निवृत्त तथा म्यादुक्ति

(1) इन विधियों के प्रारंभ होने से अज्ञात पहले लागू प्रारंभिक नियम अथवा आवेदन का प्रयाप्त बन्ध हो जाएगा।

(2) प्रस्तावनों की इस प्रकार से रद्द किए जाने पर भी—

- (क) पुराने विधियों और/अथवा आवेदों के अन्तर्गत किसी कर्मचारी द्वारा मूल्य एवं सेवा-निवृत्ति उपदान की प्रत्याभूति के लिए किया जाने वाला कोई सामाजिक अथवा सेवा तथा कोई नाम-अन्त, जो कि इन विधियों के प्रारंभ होने से पहले किया गया था, या न गण हो, तो यह इन विधियों के अन्तर्गत के अनुसार ऐसे प्रारंभ होने के बाद किया अथवा दिया जाएगा।
- (ख) कोई मामला जो कि ऐसे कर्मचारी की पेंशन की स्वीकृति से संबंधित है, जो इन विधियों के प्रारंभ होने से पहले सेवा निवृत्त हो चुका हो, और जो ऐसे प्रारंभ होने से पूर्व अहित हो, को पुराने विधियों और/अथवा आवेदों के अन्तर्गत के अनुसार यह मानकर निपटारा किया जाएगा कि ये विधय नहीं बनाए गए हैं।
- (ग) कोई मामला जो कि किसी मूल कर्मचारी अथवा किसी मूल पेंशन प्राप्तकर्ता के परिवार को लागू एक सेवा निवृत्ति उपदान और परिवार पेंशन की स्वीकृति से संबंधित है, और जो इन विधियों के प्रारंभ होने से पूर्व अहित हो, को पुराने विधियों और/अथवा आवेदों के अन्तर्गत यह मानकर निपटारा किया जाएगा कि ये विधय नहीं बनाए गए हैं।
- (घ) धर (क) और (ग) के अन्तर्गत की शर्त के अधीन पुराने विधियों और/अथवा आवेदों के अन्तर्गत की गई कोई बात या को तब कोई कर्मचारी इन विधियों के अन्तर्गत उपकरणों के अन्तर्गत की गई सम्बन्धों का भाग नहीं जाएगी।

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th June, 1988

G.S.R. 712(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124, read with sub-section (1) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Calcutta Port Employees' (Pension) Regulations, 1988 made by the Board of Trustees for the Port of Calcutta and set out in the Schedule annexed to this notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[F. No. PW/PER/9/85-PE. 1]

YOGENDRA NARAIN, Jr. Secy.

SCHEDULE

CALCUTTA PORT TRUST EMPLOYEES' (PENSION) REGULATIONS, 1988

CHAPTER I

Preliminary

In exercise of the powers conferred by Clause (b) of Section 28 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Board of Trustees for the Port of Calcutta hereby makes the following regulation:

1. Short title and commencement.—(i) These Regulations may be called the Calcutta Port Trust Employees' (Pension) Regulations, 1988.

(ii) These regulations shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Extent of application.—These Regulations shall apply:

(i) To all employees other than 'A' Category Cargo Handling Short Workers, appointed substantively to the Board's service on or after 1st June, 1962.

(ii) To all 'A' Category Shore Workers appointed substantively to the Board's service on or after 1st July, 1966.

AND

(iii) To all other employees appointed substantively in the service of the Board who have either duly opted for the Pension scheme or may opt for these Regulations in terms of the option that may be given to them from time to time. Provided that an employee who on his retirement from service on attaining the age of superannuation or on his being declared to be permanently incapacitated for further service by the appropriate medical authority after he has rendered temporary service of not less than 20 years shall be brought within the purview of these regulations, and the condition of holding a post in a

substantive capacity shall be dispensed with in his case. Such an employee will be eligible for the grant of superannuation or invalid pension death-cum-retirement gratuity and family pension in accordance with the provisions of these regulations. For computing temporary service, the spells of service which are treated as non-qualifying service under these regulations shall be ignored and interruption(s) in service shall amount to forfeiture of past service unless such interruptions are condonable under regulation 19 of these regulations.

3. Definitions.—In these regulations, unless the context otherwise requires:

(a) 'Average emoluments' means average emoluments as determined in accordance with regulation 22.

(b) 'Child' means a child of the employee who, if a son, is under twenty one years of age and if a daughter, is unmarried and is under twenty four years of age and the expression 'children' shall be construed accordingly;

(c) 'Chairman', 'Board' and 'Heads of a Department' shall have the meanings respectively assigned to them in the Major Port Trusts Act, 1963.

(d) Class I, II, III and IV posts shall have the same meaning as assigned to them in the Calcutta Port Trust Employees' (Classification, Control and Appeal) Regulations, 1987.

(e) 'Chief Medical Officer' shall mean the 'Chief Medical Officer' of the Board.

(f) 'Financial Adviser & Chief Accounts Officer' shall mean the 'Financial Adviser & Chief Accounts Officer' of the Board.

(g) 'Date of retirement' or 'date of his retirement', in relation to an employee, means the afternoon of the last day of the month in which the employee attains the age prescribed for retirement under the terms and conditions governing his service.

(h) 'Employee in permanent employ' means an employee who holds substantively or provisionally substantively a permanent post or who holds lien on such a post had the lien not been suspended.

(i) 'Foreign service' means service in which an employee receives his pay with the sanction of the competent authority from any source other than any fund of the Board.

(j) 'Government' means the Central Government.

(k) 'Minor' means a person who has not completed the age of eighteen years.

(l) 'Qualifying service' means service rendered while on duty or otherwise which shall be

taken into account for the purpose of pension and gratuities admissible under these regulations.

- (m) 'Pension' includes gratuity except when the term Pension is used in contradistinction to gratuity.
- (n) 'Retirement benefits' includes pension or service gratuity, and death-cum-retirement gratuity, where admissible.
- (o) Gratuity includes—
  - (i) Service gratuity payable under sub-regulation (1) of Regulation 30.
  - (ii) 'Death-cum-Retirement Gratuity' payable under Sub-regulation (1) or Sub-regulation (3) of Regulation 32.
  - (iii) 'Residuary Gratuity' payable under Sub-regulation of Regulation 32.

## CHAPTER—II

### General Conditions

#### 4. Regulation of claims to pension or family pension

Any claim to pension or family pension shall be regulated by the provisions of these regulations in force at the time when an employee retires or is discharged or is allowed to resign from service or dies, as the case may be.

#### 5. Limitations on number of pensions

(1) An employee shall not earn two pensions in the same service or post at the same time or by the same continuous service.

(2) An employee who, having retired on a superannuation or retiring pension, is subsequently re-employed shall not be entitled to a separate pension or gratuity for the period of his re-employment.

#### 6. Pension subject to future good conduct

1(a) Future good conduct shall be an implied condition of every grant of pension and its continuance under these regulations.

(b) The appointing authority may, by order in writing withhold or withdraw a pension or part thereof, whether permanently or for a specified period, if the pensioner is convicted of a serious crime or is found guilty of grave misconduct :

Provided further that where a part of pension is withheld or withdrawn, the amount of such pension shall not be reduced below the amount of rupees sixty per mensem.

(2) Where a pensioner is convicted of a serious crime by a court of law, action under sub-regulation (1) shall be taken in the light of the judgement of the court relating to such conviction.

(3) In a case not falling under sub-regulation (2), if the authority referred to in sub-regulation (1) considers that the pensioner is prima facie guilty of grave misconduct, it shall before passing an order under sub-regulation (1),

(a) serve upon the pensioner a notice specifying the action proposed to be taken against him and the ground on which it is proposed to be taken and calling upon him to submit, within fifteen days of the receipt of the notice or such further time not exceeding fifteen days as may be allowed by the appointing authority, such representation as he may wish to make against the proposal;

and

(b) take into consideration the representation if any, submitted by the pensioner under clause (a).

(4) An appeal against the order passed by the Authority under sub-regulation (1) shall lie to the Chairman and to the Central Govt. as the case may be.

Explanation.—The expression "grave misconduct" includes the communication or disclosure of any secret official code or pass word or any sketch, plan, model, article, note, document or information (which was obtained while holding office under the Trustees) so as to prejudicially affect the interests of the Trustees.

#### 7. Right of Chairman to withhold or withdraw pension.

(1) The Chairman reserves to himself the right of withholding or withdrawing a pension or part thereof, whether permanently or for a specified period, and of ordering recovery from a pension of the whole or part of any pecuniary loss caused to the Board, if in any departmental or judicial proceedings, the pensioner is found guilty of grave misconduct or negligence during the period of his service, including service rendered upon re-employment after retirement :

Provided further that where a part of pension is withheld or withdrawn the amount of such pension shall not be reduced below the amount of rupees sixty per mensem.

(2) (a) The departmental proceedings referred to in sub-regulation (1) if instituted while the employee was in service whether before his retirement or during his re-employment, shall after the final retirement of the employee, be deemed to be proceedings under this regulation and shall be continued and concluded by the authority by which they were commenced in the same manner as if the employee had continued in service :

Provided that where the departmental proceedings are instituted by an authority subordinate to the Chairman, that authority shall submit a report recording its findings to the Chairman.

(b) The departmental proceedings, if not instituted while the employee was in service, whether before his retirement or during his re-employment,

(1) shall not be instituted save with the sanction of the Chairman.

-75-

(ii) shall not be in respect of any event which took place more than four years before such institution,

and

(iii) shall be conducted by such authority and in such place as the Chairman may direct and in accordance with the procedure applicable to departmental proceedings in which an order of dismissal from service could be made in relation to the employee during his service.

(3) No judicial proceeding, if not instituted while the employee was in service, whether before his retirement or during his re-employment, shall be instituted in respect of a cause of action which arose, or in respect of an event which took place, more than four years before such institution.

(4) (i) In the case of an employee who has retired on attaining the age of superannuation or otherwise and against whom any departmental or judicial proceedings are instituted or where departmental proceedings are continued under sub-regulation (2) a provisional pension not exceeding the maximum pension which would have been admissible on the basis of the qualifying service upto the date of retirement of the employee, or if he was under suspension on the date of retirement upto the date immediately preceding the date on which he was placed under suspension, shall be sanctioned.

(ii) The provisional pension shall be sanctioned during the period commencing from the date of retirement upto and including the date on which, after the conclusion of the departmental or judicial proceedings final orders are passed by competent authority.

(iii) No gratuity shall be sanctioned to the employee until the conclusion of the departmental or judicial proceedings and issue of final order thereon.

(iv) Payment of provisional pension made under sub-regulation 4(i) shall be adjusted against final retirement benefits sanctioned to such employee upon conclusion of such proceedings but no recovery shall be made where the pension finally sanctioned is less than the provisional pension or the provisional pension is reduced or withheld either permanently or for a specified period.

(5) Where the Chairman decides not to withhold or withdraw pension but orders recovery of pecuniary loss from pension, the recovery shall not ordinarily be made at a rate exceeding one third of the pension admissible on the date of retirement of an employee.

(6) For the purpose of this regulation—

(a) Departmental proceedings shall be deemed to be instituted on the date on which the

statement of charges is issued to the employee or pensioner, or if the employee has been placed under suspension from an earlier date, on such date; and

(b) Judicial proceedings shall be deemed to be instituted :

(i) in the case of criminal proceedings, on the date which the complaint or report of a police officer, of which the Magistrate takes cognizance is made;

and

(ii) in the case of civil proceedings, on the date the plaint is presented in the court.

8. Commercial employment after retirement.

(1) If a pensioner who, immediately before his retirement was a Class I officer, wishes to accept any commercial employment before the expiry of two years from the date of his retirement, he shall obtain the previous sanction of the Chairman to such acceptance :

Provided that an employee who was permitted by the Chairman to take up a particular term of commercial employment during his leave preparatory to retirement or during terminal leave shall not be required to obtain subsequent permission for his continuance in such employment after retirement.

(2) Subject to the provisions of sub-regulation (3), the Chairman may, by order in writing, on an application made by a pensioner, grant, subject to such conditions, if any, as it may deem necessary, permission, or refuse, for reasons to be recorded in the order, permission, to such pensioner to take up the commercial employment specified in the application.

(3) In granting or refusing permission under sub-regulation (2) to a pensioner for taking up any commercial employment, the Chairman shall have regard to the following factors, namely :

(a) the nature of the employment proposed to be taken up and the antecedents of the employer,

(b) whether his duties in the employment which he proposes to take up might be such as to bring him into conflict with the Board,

(c) whether the pensioner while in service had any such dealing with the employer under whom he proposes to seek employment as might afford a reasonable basis for the suspicion that such pensioner had shown favours to such employer,

(d) whether the duties of the commercial employment proposed involve liaison or contact work with the Board,

(e) whether his commercial duties will be such that his previous official position or knowledge or experience under the Board could be used to give the proposed employer an unfair advantage.



(f) the emoluments offered by the proposed employer,

and

(g) any other relevant factor,

(4) Where within a period of sixty days of the date of receipt of an application under sub-regulation (3), the Chairman does not refuse to grant the permission applied for or does not communicate the refusal to the applicant, the Chairman shall be deemed to have granted the permission applied for.

(5) Where the Chairman grants the permission applied for subject to any conditions or refuses such permission, the applicant may, within thirty days of the receipt of the order of the Chairman to that effect, make a representation against any such condition or refusal and the Chairman may make such orders thereon as he deems fit :

Provided that no order other than an order cancelling such condition or granting such permission without any conditions shall be made under this sub-regulation without giving the pensioner making representation an opportunity to show cause against the order proposed to be made.

(6) If any pensioner takes up any commercial employment at any time before the expiry of two years from the date of his retirement without the prior permission of the Chairman or commits a breach of any condition subject to which permission to take up any commercial employment has been granted to him under this regulation, it shall be competent for the Chairman to declare by order in writing and for reasons to be recorded therein that he shall not be entitled to the whole or such part of the pension and for such period as may be specified in the order :

Provided that no such order shall be made without giving the pensioner concerned an opportunity of showing cause against such declaration :

Provided further that in making any order under this sub-regulation, the Chairman shall have regard to the following factors, namely :—

- (i) the financial circumstances of the pensioner concerned :
- (ii) the nature of, and the employments from the commercial employment taken up by the pensioner concerned and
- (iii) any other relevant factor.

(7) Every order passed by the Chairman under this regulation shall be communicated to the pensioner concerned.

(8) In this regulation :—

(a) the expression "commercial employment" means :—

- (i) an employment in any capacity including that of an agent, under a company, co-operative society, firm or individual engaged in trading, commercial, industrial, financial or professional business and includes also a directorship of such company and partnership of such firm, but does not include employment under a corporate, wholly or substantially owned or controlled by the Central or State Government.
- (ii) Setting up practice, either independently or as a partner of a firm, as adviser or consultant in matters in respect of which the pensioner —
  - (A) has no professional qualifications and the matters in respect of which the practice is to be set up or is carried on are relatable to his official knowledge or experience, or
  - (b) has professional qualifications but the matters in respect of which such practice is to be set up are such as are likely to give his clients an unfair advantage by reason of his previous official position, or
- (iii) has to undertake work involving liaison or contact with the offices or officers of the board :

Explanation :—(a) For the purposes of clause

- (i) "employment under a co-operative society" includes the holding of any office, whether elective or otherwise, such as that of President, Chairman, Manager,—Secretary, Treasurer and the like, whatever name called in such society.
- (b) The expression "date of retirement" in relation to an employee re-employed after retirement, without any break, either in the same or in another class I post under the Board, means the date on which such employee finally ceases to be so re-employed in the service of the Board.

#### 9A. Employment after retirement outside India.

If a pensioner, who immediately before his retirement was a Class I Officer, wishes to accept any employment outside India, he shall obtain previous permission of the Board for such acceptance and no pension shall be payable to a pensioner who accepts such an employment without proper permission in respect of any period for which he is so employed or such longer period as the Board may direct :

Provided that an employee who permitted to take up a particular form of employment outside India during his leave preparatory to retirement shall not be required to obtain subsequent permission for his continuance in such employment after retirement.

## CHAPTER—III

## Qualifying Service

## 9. Commencement of qualifying service.

Subject to the provisions of these regulations, qualifying service of an employee shall commence from the date he takes charge of the post of which he is first appointed either substantively or in an officiating or temporary capacity.

Provided that officiating or temporary service is followed without interruption by substantive appointment in the same or another service or post.

## 10. Counting of service as on probation and as apprentice.

Service on probation against a post if followed by confirmation in the same or another post shall qualify but the service as an apprentice shall not qualify.

## 11. Counting of pre-retirement service in the case of re-employed employees.

An employee who having retired on compensation pension or invalid pension or compensation gratuity or invalid gratuity, is re-employed and appointed substantively to a service or post to which these regulations apply may exercise option either—

- (a) to continue to draw the pension or retain the gratuity sanctioned for his earlier service, in which his former service shall not count as qualifying service or
- (b) to cease to draw his pension and refund
  - (i) the pension already drawn, and
  - (ii) the value received for the commutation of part of pension and
  - (iii) the amount of death-cum-retirement gratuity including service gratuity if any, and count the previous service as qualifying service :

Provided that :—

- (i) the pension drawn prior to the date of re-employment shall not be required to be refunded,
- (ii) the element of pension which was ignored for fixation of his pay including the element of pension which was not taken into account for fixation of pay shall be refunded by him.
- (iii) the element of pension equivalent of gratuity including the element of commuted part of pension, if any, which was taken into account for fixation of his pay shall be set-off against the amount of death-cum-retirement gratuity and the commuted value of pension and the balance, if any, shall be refunded by him.

Explanation—In this clause, the expression which was taken into 'account' means the amount taken into account means the amount of pension including the pension equivalent of gratuity by which pay of the employee who reduced on initial re-employment, and the expression which was not taken into account shall be construed accordingly.

2(a) The authority issuing the order of substantive appointment to a service or post as is referred to in sub-regulation (1) shall alongwith such order require in writing the employee to exercise the option under that sub-regulation within three months of the date of issue of such order or if he is on leave on that day, within three months of his return from leave, whichever is later and also bring to his notice the provisions of clause (c).

(b) If no option is exercised within the period referred to in clause (a), the employee shall be deemed to have opted for clause (a) of sub-regulation (1).

(3) In the case of an employee who opts for clause (a) of sub-regulation (1) the pension or gratuity admissible for his subsequent service is subject to the limitation, that service gratuity or the capital value of the pension and death-cum-retirement gratuity, if any, shall not be greater than the difference between the value of the pension and death-cum-retirement gratuity, if any, that would be admissible at the time of the employee's final retirement if the two periods of service were combined and the value of retirement benefits already granted to him for the previous service.

Note—The capital value of pension shall be calculated in accordance with the commutation table prescribed under Central Civil Services (Commutation of Pension) Rules, 1981 applicable at the time of the second or final retirement.

4 (a) An employee who opts for clause (b) of sub-regulation (1) shall be required to refund the gratuity received in respect of his earlier service, in monthly instalments not exceeding thirty six in number, the first instalment beginning from the month in which he exercised the option.

(b) The right to count previous service as qualifying service shall not revive until the whole amount has been refunded.

(c) In the case of an employee, who having elected to refund the gratuity, dies before the entire amount is refunded, the amount of unrefunded gratuity shall be adjusted against the death-cum-retirement gratuity which may become payable to his family.

## 12. Counting of periods spent on leave.

All leave during service for which leave salary is payable and all extra-ordinary leave granted on medical certificate shall count as qualifying service:

Provided that in the case of extraordinary leave other than extraordinary leave granted on medical certificate the appointing authority may, at the time of granting such leave, allow the period of that leave to count as qualifying service if such leave is granted to an employ—

(i) due to his inability to join or rejoin duty on account of civil commotion.

or

(ii) for prosecuting higher scientific and technical studies.

## 12(A) Counting of periods spent on training.

The Chairman may, by order, decide whether the time spent by an employee under training arranged by the Board immediately before appointment to service under the Board of Trustees shall count as qualifying service.

## 13. Counting of periods of suspension.

Time passed by an employee under suspension pending enquiry into conduct shall count as qualifying service where on conclusion of such enquiry, he has been fully exonerated or the suspension is held to wholly unjustified, in other cases the period of suspension shall not count unless the authority competent to pass orders under the regulation governing such cases expressly declares at the time that it shall count to such extent as the competent authority may declare.

## 14. Forfeiture of service on dismissal or removal.

Dismissal or removal of an employee from a service or post entails forfeiture of his past service.

## 15. Counting of past service on reinstatement.

(1) An employee who is dismissed, removed or compulsorily retired from service, but is reinstated on appeal or review, is entitled to count his past service as qualifying service.

(2) The period of interruption in service between the date of his dismissal, removal or compulsory retirement, as the case may be, and the date of reinstatement, and the period of suspension, if any, shall not count as qualifying service unless regularised as duty or leave by a specific order of the authority which passed the order of reinstatement.

## 16. Forfeiture of service on resignation.

(1) Resignation from a service or a post, unless it is allowed to be withdrawn in the interest of the Board's service by the appointing authority, entails forfeiture of past service.

(2) The appointing authority may permit a person to withdraw his resignation in the Board's interest on the following conditions namely,

(i) that the resignation was tendered by the employee for some compelling reasons which did not involve any reflection on his integrity, efficiency or conduct and the request for withdrawal of the resignation has been as a result of a material change in the circumstances which originally compelled him to tender resignation.

(ii) that during the period intervening between the date on which the resignation became effective and the date from which the request for withdrawal was made, the conduct of the person concerned was in no way improper,

(iii) that the period of absence from duty between the date on which the resignation became effective and the date on which the person is allowed to resume duty as a result of permission to withdraw the resignation is not more than ninety days;

(iv) that the post, which was vacated by the employee on the acceptance of his resignation or any other comparable post, is available.

(3) When an order is passed by the competent authority allowing a person to withdraw his resignation and to resume duty, the order shall be deemed to include the condonation of interruption in service but the period of interruption shall not count as qualifying service.

## 17. Effect of interruption in service.

(1) An interruption in the service of an employee entails forfeiture of his past services, except in the following cases:

(a) authorised leave of absence,

(b) unauthorised absence in continuation of authorised leave of absence so long as the post of absence is not filled substantively,

(c) suspension, where it is immediately followed by reinstatement, whether in the same or a different post, or where the employee dies or is permitted to retire or is retired on attaining the age of compulsory retirement while under suspension.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1) the appointing authority may, by order, commute retrospectively the periods of absence without leave as extra-ordinary leave.

## 18. Condonation of interruption in service.

(a) In the absence of a specific indication to the contrary in the service book, an interruption between two spells of service tendered by an employee under the Board of Trustees shall be treated as automatically condoned and the pre-interruption service treated as qualifying service.

- (b) Nothing in clause (a) shall apply to interruption caused by resignation, dismissal or removal from service or for participation in a strike.
- (c) The period of interruption referred to in clause (a) shall not count as qualifying service.

19. Period of deputation on foreign service terms.

An employee deputed on foreign service, will have to pay the pension contribution in respect of his foreign service and count such service as qualifying for pension under this regulation.

CHAPTER—IV

Emoluments and Average Emoluments

20. Emoluments

The expression "emoluments" means the basic pay, special pay personal pay and any other emoluments which may be specifically classed as pay by the Board which an employee was receiving immediately before his retirement or on the date of his death and includes dearness allowance, incentive payment and any other allowance if such an allowance or allowances and payments are allowed to be counted as pay for the purpose of pension by the Board.

Note-1.—If any employee immediately before his retirement or death while in service had been absent from duty on leave for which leave salary is payable or having been suspended had been reinstated without forfeiture of service, the emoluments which he would have drawn had he not been absent from duty or suspended shall be the emoluments for the purpose of this Regulation.

Provided that any increase in pay (other than the increment referred to in Note 4) which he has not actually drawn shall not form part of his emoluments.

Note-2.—Where an employee immediately before his retirement or death while in service has proceeded on leave for which leave salary is payable after having held a higher appointment whether in an officiating or temporary capacity, the benefit of emoluments drawn in such higher appointment shall be given only if it is certified that the employee would have continued to hold the higher appointment, but for his proceeding on leave.

Note-3.—If an employee immediately before his retirement or death while in service had been absent from duty on extra-ordinary leave or had been under suspension, the period whereof does not count as service, the emoluments which he drew immediately before proceeding on such leave or being placed under suspension shall be the emoluments for the purpose of this regulation.

Note-4.—If an employee immediately before his retirement or death while in service, was on earned

leave, and earned an increment which was not withheld, such increment, though not actually drawn, shall form part of his emoluments.

Provided that the increment was earned during the currency of the earned leave not exceeding one hundred and twenty days, or during the first one hundred and twenty days of earned leave where such leave was for more than one hundred and twenty days.

Note-5.—Pay drawn by an employee while on ference to the emolument drawn by an employee but the pay which he would have drawn under the Board had he not been on foreign service shall alone be treated as emoluments.

21. Average emoluments.

Average emoluments shall be determined with reference to the emoluments drawn by an employee during the last ten months of his service.

Note-1.—If during the last ten months of his service an employee had been absent from duty on leave for which leave salary is payable or having been suspended had been reinstated without forfeiture of service, the emoluments which he would have drawn had he not been absent from duty or suspended shall be taken into account for determining the average emoluments.

Provided that any increase in pay (other than the increment referred to in Note (4) which is not actually drawn shall not form part of his emoluments.

Note-2.—If, during the last ten months of his service, an employee had been absent from duty on extra-ordinary leave or had been under suspension the period whereof does not count as service, the aforesaid period of leave or suspension shall be disregarded in the calculation of the average emoluments and equal period before the ten months shall be included.

Note-3.—In the case of employees eligible for payments under any type of payments by Results Scheme and retiring from service on or after 1-1-1979, the period of authorised leave other than casual leave authorised absence or period under suspension during the period of 10 months prior to the date of his retirement shall be disregarded in the calculation of the average 10 months emoluments, and equal period spent on duty before the last 10 months shall be included.

Note-4.—In the case of any employee who was on earned leave during the last ten months of service, and earned an increment which was not withheld such increment though not actually drawn shall be included in the average emoluments.

Provided that the increment was earned during the currency of the earned leave not exceeding one hundred and twenty days or during the first one hundred and twenty days of earned leave where such leave was for more than one hundred and twenty days.

## CHAPTER—V

Classes of pensions and conditions governing their grant.

## 22. Superannuation pension.

A superannuation pension shall be granted to an employee who is retired on his attaining the age of compulsory retirement.

## 23. Retiring Pension.

A retiring pension shall be granted :—

- (a) to an employee who retires, or is retired in advance of the age of compulsory retirement, in accordance with the terms and conditions governing the service of the employee.

## 24. Invalid pension.

(1) Invalid pension may be granted if any employee retires from the service on account of any bodily or mental infirmity which permanently incapacitates him for the service.

(2) An employee applying for an invalid pension shall submit a medical certificate of incapacity from the Chief Medical Officer of the Board.

(3) Where the Chief Medical Officer of the Board has declared an employee fit for further service of less laborious character than that which he had been doing, he should, provided he is willing to be so employed, be employed on lower post and if there be no means of employing him even on a lower post, he may be admitted to invalid pension.

## 25. Compensation pension.

(1) If an employee is selected for discharge owing to the abolition of his permanent post, he shall unless he is appointed to another post: the conditions of which are deemed by the authority competent to discharge him to be at least equal to those of his own, have the option :—

- (a) of taking compensation pension to which he may be entitled for the service he had rendered, or
- (b) of accepting another appointment on such pay as may be offered and continuing to count his previous service for pension.
- (2) Notice of at least three months shall be given to the employee in permanent employment before his services are dispensed with on the abolition of his permanent post.

(b) Where notice of at least three months is not given and the employee has not been provided with other employment on the date on which his services are dispensed with, the authority competent to dispense with his services may sanction the payment of a sum not exceeding the pay and allowances for the period by which the notice actually given to him falls short of three months.

(c) No compensation pension shall be payable for the period in respect of which he receives pay and allowances in lieu of notice.

(3) In case an employee is granted pay and allowances for the period by which the notice given to him falls short of three months and he is re-employed before the expiry of the period for which he has received pay and allowances he shall refund the pay and allowances so received for the period following his re-employment.

(4) If an employee who is entitled to compensation pension accepts instead another appointment under the Board and subsequently becomes entitled to receive a pension of any class, the amount of such pension shall not be less than the compensation pension which he could have claimed if he had not accepted the appointment.

## 26. Compulsory retirement pension.

(1) An employee compulsorily retired from service as a penalty may be granted, by the authority competent to impose such penalty, pension or gratuity or both at a rate not less than two-thirds and not more than full compensation pension or gratuity or both admissible to him on the date of his compulsory retirement.

Explanation:—In this sub-regulation, the expression 'Pension' includes gratuity.

(2) A pension granted under sub-regulation (1) shall not be less than the amount of Rupees Sixty per mensem.

## 27. Compassionate allowance.

(1) An employee who is dismissed or removed from service shall forfeit his pension and gratuity.

Provided that the authority competent to dismiss or remove him from service may, if the case is deserving of special consideration, sanction a compassionate allowance not exceeding two-thirds of pension, or gratuity or both which would have been admissible to him if he had retired on compensation pension.

(2) A compassionate allowance sanctioned under the proviso to sub-regulation (1) shall not be less than the amount of Rupees sixty per mensem.

## CHAPTER VI

## Regulation of amounts of Pension

28. Retirement on completion of 30 years' qualifying service.

(1) At any time after an employee has completed thirty years' qualifying service :

- (a) he may retire from service or
- (b) he may be required by the appointing authority to retire in the Board's interest and in the case of such retirement the employee shall be entitled to a retiring pension.

[Part II—Chapter 3(1)]

Provided that —

(a) an employee shall give a notice in writing to the appointing authority at least three months before the date on which he wishes to retire; and

(b) the appointing authority may also give a notice in writing to an employee at least three months before the date on which he is required to retire in the Board's interest or three months' pay and allowances in lieu of such notice. Provided further that where the employee giving notice under Clause (a) of the preceding proviso to under suspension, it shall be open to the appointing authority to withhold permission to such an employee to retire under this regulation.

1A(a) An employee referred to in Clause (a) of the first proviso to sub-regulation (1) may make a request in writing to the appointing authority to accept notice of less than three months giving reasons therefor.

(b) on receipt of a request under Clause (a) the appointing authority may consider such request for the curtailment of the period of notice of three months on merits and if it is satisfied that the curtailment of the period of notice will not cause any administrative inconvenience, appointing authority may relax the requirement of notice of three months on the condition that the employee shall not apply for commutation of a part of his pension before the expiry of the period of notice of three months.

An employee who has elected to retire under this regulation and has given the necessary intimation to that effect to the appointing authority, shall be precluded from withdrawing his election subsequently except with the specific approval of such authority.

Provided that the request for withdrawal shall be within the intended date of his retirement.

3. For the purpose of this regulation the expression 'appointing authority' shall mean the authority which is competent to make appointments to the service or post from which the employee retires.

29(A) Retirement on completion of 20 years' qualifying service.

(1) At any time after an employee has completed 20 years' qualifying service, he may by giving notice not less than three months in writing to the appointing authority, retire from service.

(2) The notice of voluntary retirement given under sub-regulation (1) shall require acceptance by the appointing authority :

Provided that where the appointing authority does not refuse to grant the permission for retirement before the expiry of the period specified in the said notice, the retirement shall become effective from the date of expiry of the said period.

(3) (a) An employee referred to in sub-regulation (1) may make a request in writing to the appointing authority to accept notice of voluntary retirement of not less than three months giving reasons therefor;

(b) on receipt of a request under clause (a), the appointing authority, subject to the provisions of sub-regulation (2), may consider such request for the curtailment of the period of notice of three months on merits and if it is satisfied that the curtailment of the period of notice will not cause any administrative inconvenience the appointing authority may relax the requirement of notice of three months on the condition that the employee shall not apply for commutation of a part of his pension before the expiry of the period of notice of three months.

(4) An employee who has elected to retire under this regulation and has given the necessary notice to that effect to the appointing authority, shall be precluded from withdrawing his notice except with the specific approval of such authority;

Provided that the request for withdrawal shall be made before the intended date of his retirement.

(5) The pension and death-cum-retirement gratuity of the employee retiring under this regulation shall be based on the emoluments as defined under regulation 21 and 22 and the increase not exceeding five years in his qualifying service shall not entitle him to any notional fixation of pay for purposes of calculating pension and gratuity.

(6) This regulation shall not apply to an employee who retired from the service of the Board for being absorbed permanently in an autonomous body or a public sector undertaking to which he is on deputation at the time of seeking voluntary retirement. Explanation—For the purpose of this regulation the expression 'appointing authority' shall mean the authority which is competent to make appointments to the service or post from which the employee seeks voluntary retirement.

29(B) Addition to qualifying service on voluntary retirement.

(1) The qualifying service as on the date of intended retirement of the employee retiring under Regulation 29(1)(a) or Regulation 29(A) or retiring from service by giving notice of not less than three months in writing to the appointing authority after he has attained the age of fifty years if he is in Class I or Class II service or post (and had entered Board's service before attaining the age of thirty five years) and in all other cases after he has attained the age of fifty years, with or without permission shall be increased by the period not exceeding five years, subject to the condition that the total qualifying service rendered by the employee does not in any case exceed thirty-three years in case he is governed by the definition of Pay as applicable to Central Government employees for the purpose of pension and thirty years in case he is governed by the

-69-

enlarged definition of pay as applicable to Class III and Class IV employees of the Major Port Trusts and it does not take him beyond the date of superannuation.

(2) The weightage of five years under sub-regulation (1) shall not be admissible in cases of those employees who are prematurely retired in the interest of the Board's service.

**30. Amount of pension**

(1) In the case of an employee retiring in accordance with the provisions of these regulations before completing qualifying service of ten years, the amount of service gratuity shall be the appropriate amount as set out below, namely :

Completed six monthly periods of qualifying service.	Scale of service gratuity.
1.	1/2 month's emolument
2.	1 " "
3.	1 1/2 " "
4.	2 " "
5.	2 1/2 " "
6.	3 month's emoluments
7.	3 1/2 " "
8.	4 " "
9.	4 1/2 " "
10.	4 1/2 " "
11.	5 " "
12.	5 1/2 " "
13.	5 1/2 " "
14.	6 1/4 " "
15.	6 1/2 " "
16.	7 " "
17.	7 1/2 " "
18.	7 1/2 " "
19.	8 " "

(a) In case of Class III and Class IV employees other than those covered by clause (b) of this sub-regulations retiring in accordance with the provisions of these regulations after completing qualifying service of not less than ten year, the amount of pension shall be the appropriate amount as set out below, namely :—

Completed six monthly periods of qualifying service	Scale of pension
1	2
20.	10/80ths of average emolument
21.	10 1/2/80ths " " "
22.	11/80ths " " "
23.	11 1/2/80ths " " "
24.	12/80ths " " "
25.	12 1/2/80ths " " "
26.	13/80ths " " "
27.	13 1/2/80ths " " "
28.	14/80ths " " "

1	2
29.	14 1/2/80ths of average emolument
30.	15/80ths " " "
31.	15 1/2/80ths " " "
32.	16/80ths " " "
33.	16 1/2/80ths " " "
34.	17/80ths " " "
35.	17 1/2/80ths " " "
36.	18/80ths " " "
37.	18 1/2/80ths " " "
38.	19/80ths " " "
39.	19 1/2/80ths " " "
40.	20/80ths " " "
41.	20 1/2/80ths " " "
42.	21/80ths " " "
43.	21 1/2/80ths " " "
44.	22/80ths " " "
45.	22 1/2/80ths " " "
46.	23/80ths " " "
47.	23 1/2/80ths " " "
48.	24/80ths " " "
49.	24 1/2/80ths " " "
50.	25/80ths " " "
51.	25 1/2/80ths " " "
52.	26/80ths " " "
53.	26 1/2/80ths " " "
54.	27/80ths " " "
55.	27 1/2/80ths " " "
56.	28/80ths " " "
57.	28 1/2/80ths " " "
58.	29/80ths " " "
59.	29 1/2/80ths " " "
60.	30/80ths " " "

**2(b) In case of Class I and Class III Officers and**

Those Class III and Class IV employees who have opted or may opt for definition of 'Pay' for the purpose of pension as applicable to the Central Govt. employees in terms of the option given that may be given to them and retiring from service in accordance with the provisions of these regulations after completing qualifying service of not less than 35 years the amount of pension shall be determined as follows, namely :—

Average emolument	Amount of monthly pension
(i) Up to first capax 1,000/-	35 % of the average emoluments
(ii) Next Rs. 500/-	45 % of average emoluments
(iii) Balance	40 % of average emoluments subject to a maximum of Rs. 1,500/- p.m. including relief on pension payable upto index level 328.

There will be no ceiling on the amount of monthly pension for employees retiring on or after 31-3-85.

2(c) In case of an employee as referred to in clause 2(b) as above retiring in accordance with the provisions of these regulations before completing qualifying service of 33 years but after completing qualifying service of 10 years, the amount of pension shall be proportionate to the amount of pension admissible under clause 2(b) provided however that in no case the amount of pension shall be less than Rs. 60/- per mensem;

(3) In calculating the length of qualifying service, fraction of a year equal to 3 months and above shall be treated as a completed one-half year and reckoned as qualifying service.

(4) The amount of pension finally determined under clause 2(b) or 2(c) shall be expressed in whole rupees and where the pension contains a fraction of a rupee shall be rounded off to the next higher rupee.

31. Minimum limit of Invalid pension

In respect of an employee who retires on invalid pension in terms of regulation 25, the amount of invalid pension shall not be less than the amount of Family Pension

32. Death-cum-Retirement Gratuity

(1)(a)(i) An employee who has completed five years' qualifying service and has become eligible for service gratuity or pension under regulation 30 shall on his retirement, be granted death-cum-retirement gratuity equal to one-fourth of his emoluments for each completed six monthly period of qualifying service, subject to a maximum of 16-1/2 times the emoluments in respect of Class I and Class II employees and 15 times the emoluments in case of class III and class IV employees

Provided that in case of a class III or a class IV employees, who has opted to have his emoluments calculated in the manner as that of a class I or class II employees for the purpose of payment of death-cum-retirement gratuity, the amount of the death-cum-retirement gratuity subject to clause (i) hereof will be subject to a maximum of 16-1/2 times the emoluments.

Note : In calculating the length of qualifying service, fraction of year equal to 3 months and above shall be treated as a completed one-half year and reckoned as qualifying service of an employee other than an employee covered by the payment of gratuity Act 1972 (Act No. 39 of 1972) and the Rules made thereunder.

(a) (ii) In case of employee covered by the payment of Gratuity Act, 1972 (Act No. 39 of 1972) and the Rules made thereunder during service

(a) On retirement on account of permanent incapacity due to bodily or mental infirmity or on grounds accepted by the Board as and sufficient reason for retirement, or

(b) after he has rendered continuous service for not less than 5 years —

- A. On his superannuation; or
- B. On his retirement or resignation, or
- C. On his termination of service for any reason whatsoever other than that mentioned in Sub-regulation 1(a), (i) (a) above,

Death-cum-retirement gratuity shall be admissible at the rate of fifteen days' emoluments drawn by such an employee for every completed year of service or part thereof in excess of six months service to a maximum of twenty month's emoluments ;

Provided that when a employee as referred to in this sub-clause is offered a post on a lower scale of pay on account any accident, medical disability etc. as an alternative to being discharged/removed, death-cum-retirement gratuity may be worked out separately for the earlier period and subsequent period.

(c) The amount of gratuity payable under the payment of Gratuity Act, 1972 (Act 39 of 1972) and the rules made thereunder shall be set off against the death-cum-retirement gratuity payable under these regulations.

Notwithstanding any thing contained in this sub-regulation the death-cum-retirement gratuity of an employee, whose services have been terminated for an act, wilful omission, or negligence causing any damage or loss to, or destruction of, property belonging to the Board shall be forfeited to the damage or loss so caused, Provided further that the death-cum-retirement gratuity payable to an employee may be wholly or partially forfeited if the services of such employee have been terminated for his riotous or disorderly conduct or any other act of violence on his part or for any act of the employee which constitutes an offence involving moral turpitude, provided that such offence is committed by him in the course of his employment.

N.B.—In sub-clause 1(a)(i) (b)

(1) 'Completed year of service' means continuous service for one year.

(2) 'Continuous service' means continuous service as defined in Section 2A of the Payment of Gratuity Act, 1984.

(b) If an employee dies while in service after completing five years' qualifying service, the amount of death-cum-retirement gratuity shall be equal to 12 times of his emoluments or the amount determined under clause(a), whichever is higher and it shall be paid to his family in the manner indicated in sub-regulation (1) of regulation 34.



(c) For the purpose of clauses (a) and (b) the amount of death-cum-retirement gratuity payable under this regulation, in case shall exceed thirty six thousand rupees in case of employees retiring prior to 31st March, 1985 and Rs. 50,000/- in case of those employees retiring on or after 31st March, 1985.

(2) If an employee who has become eligible for a service gratuity or pension, dies within five years from the date of his retirement from service including compulsory retirement as a penalty and the sums actually received by him at the time of his death on account of such gratuity or pension including ad-hoc increase, if any, together with the death-cum-retirement gratuity admissible under sub-regulation (1) and the commuted value of any portion of pension commuted by him are less than the amount equal to 12 times of his emoluments, a residuary gratuity equal to the deficiency may be granted to his family in the manner indicated in sub-regulation 1 of regulation 34.

(3)(a) If an employee dies in the first year of his qualifying service, a death-cum-retirement gratuity equal to two times of his emoluments at the time of his death shall be paid to his family in the manner indicated in sub-regulation 1 of regulation 34.

(b) If an employee dies after completion of one year of qualifying service but before completing five years of qualifying service, the amount of death-cum-retirement gratuity shall be equal to six times of his emoluments.

(4) The emoluments for the purpose of gratuity admissible under this regulation shall be subject to a maximum of two thousand five hundred rupees per mensem, in case of those employees retiring prior to 31st March, 1985 and Rs. 4000/- per mensem in case of those employees retiring on or after 31st March, 1985 and shall be reckoned in accordance with regulation 21, except that piece-rate earnings, incentive payment and other such payments under payment by result schemes which are treated as 'Pay' shall be reckoned with reference to such earning drawn during the last ten months of the service of the employee.

In case of an employee coming under the purview of "The Payment of Gratuity Act, 1972 (No. 39 of 1972)", emolument for the purpose of gratuity also include dearness allowance irrespective of whether such an employee has opted for definition of 'Pay' for the purpose of pension as applicable to Central Government employees or not.

(5) Subject to the provisions of sub-regulations 1(a)(ii) of this regulation, if the emoluments of an employee have been reduced during the last ten months of his service otherwise than as a penalty, average emoluments as referred to in regulation 22 shall be treated as emolument.

### 33. Definition of family.

For the purpose of regulation 34, 35 and 36 family in relation to an employee means,

(i) wife or wives (including judicially separated wife or wives) in the case of a male employee,

(ii) husband, (including judicially separated husband) in the case of a female employee,

(iii) sons including step sons and adopted sons,

(iv) unmarried daughters including step daughters and adopted daughters.

(v) widowed daughters including step daughters and adopted daughter,

(vi) father } including adoptive parents in the  
                  } case of individuals whose personal  
(vii) mother } law permits adoption.

(viii) brothers below the age of eighteen years including step brothers,

(ix) unmarried sisters and widowed sisters including step sisters.

(x) married daughters, and

(xi) children of a pre-deceased son.

### 34. Persons to whom gratuity payable is payable :

(a) The gratuity payable under regulation 32 shall be paid to the person or persons on whom the right to receive the gratuity is conferred by means of a nomination under regulation 36.

(b) if there is no such nomination or if the nomination made does not subsist, the gratuity shall be paid in the manner indicated below :—

(i) If there are one or more surviving members of the family as in clauses (i), (ii), (iii) and (iv) of regulation 33, to all such members in equal shares;

(ii) if there are no such surviving members of the family as in sub-clause (i) above, but there are one or more members as in clauses (v), (vi), (vii), (viii), (ix) (x) and (xi) of regulation 33, to all such members in equal shares.

(2) if an employee dies after retirement without receiving the gratuity admissible under sub-regulation 1 of regulation 32 the gratuity shall be disbursed to the family in the manner indicated in sub-regulation (1) :

Provided that in the case of death of an employee entitled to payment of gratuity under the Payment of Gratuity Act 1972 (Act No. 39 of 1972), gratuity payable to him shall be paid to his nominee or if no nomination has been made to his family in the manner as specified in sub-regulation 1(b) of this regulation and in case the deceased employee has not made any nomination or the nomination made by him does not subsist and he leaves behind no family, the gratuity shall be paid to his legal heirs.

[ସଂଖ୍ୟା 11--ଅନୁ 3(i)]

(3) The right of a female member of the family, or that of a brother, of an employee who dies while in service or after retirement to receive the share of gratuity shall not be affected if the female member marries or re-marries, or the brother attains the age of eighteen years, after the death of the employee and before receiving her or his share of the gratuity.

(4) Where gratuity is granted under Regulation 32 to a minor member of the family of the deceased employee, it shall be payable to the guardian on behalf of the minor.

34(A) Debarring a person from receiving gratuity.

(1) If a person, who in the event of death of an employee while in service is eligible to receive gratuity in terms of Regulation 34, is charged with the offence of murdering the employee or for abetting in the commission of such an offence, his claim to receive his share of gratuity shall remain suspended till the conclusion of the criminal proceedings instituted against him.

(2) If on the conclusion of the criminal proceedings referred to in sub-regulation (1), the person concerned—

- (a) is convicted for the murder or abetting in the murder of employee, he shall be debarred from receiving his share of gratuity which shall be payable to other eligible members of the family, if any,
- (b) is acquitted of the charge of murdering or abetting in the murder of the employee his share of gratuity shall be payable to him.

(3) The provisions of sub-regulation (1) and sub-regulation (2) shall also apply to the undisbursed gratuity referred to in regulation (2) of regulation 34.

35. Lapse of death-cum-retirement gratuity.

Subject to the provision of sub-regulation (2) of regulation 34, where an employee dies while in service, after retirement without receiving the amount of gratuity, and leaves behind no family, and

- (a) has made no nomination, or
- (b) the nomination made by him does not subsist, the amount of death-cum-retirement gratuity payable in respect of such employee under regulation 32 shall lapse to the Board.

36. Nominations

(i) An employee shall, on his initial confirmation in a service or post, make a nomination in form as may be, as appropriate in the circumstances of the case, conferring on one or more persons the right to receive the death-cum-retirement gratuity payable under regulation 32 :

Provided that if at the time of making the nomination—

- (i) the employee has a family, the nomination shall not be in favour of any person or persons other than the members of his family, or
- (ii) the employee has no family, the nomination may be made in favour of a person or persons, or a body of individuals, whether incorporated or not.

(2) If an employee nominates more than one person under sub-regulation (1), he shall specify in the nomination the amount of share payable to each of the nominees in such manner as to cover the entire amount of gratuity.

(3) An employee may provide in the nomination—

- (i) that in respect of any specified nominee who pre-deceases the employee, or who dies after the death of the employee but before receiving the payment of gratuity the right conferred on that nominee shall pass to such other person as may be specified in the nomination ;

Provided that if at the time of making the nomination the employee has a family consisting of more than one member the person so specified shall not be a person other than a member of his family.

Provided further that where an employee has only one member in his family, and a nomination has been made in his favour, it is open to the employee to nominate alternate nominee or nominees in favour of any person or a body of individuals, whether incorporated or not.

(ii) that the nomination shall become invalid in the event of the happening of the contingency provided therein.

(4) The nomination made by an employee who has no family at the time of making it, or the nomination made by an employee under the second proviso to clause (i) of sub-regulation (3) where he has only one member in his family shall become invalid in the event of the employee subsequently acquiring a family, or an additional member in the family, as the case may be.

(5) An employee may, at any time, cancel a nomination by sending a notice in writing to the authority mentioned in sub-regulation (7);

Provided that he shall, along with such notice, send a fresh nomination made in accordance with this regulation.

(6) Immediately on the death of a nominee in respect of whom no special provision has been made in the nomination under clause (i) of sub-regulation (3) or on the occurrence of any event by reason of which the nomination becomes invalid in pursuance of clause (ii) of that sub-regulation, the employee shall send to the authority mentioned in sub-regulation (7) a notice in writing cancelling the nomination together with a fresh nomination made in accordance with this regulation.

-64-

(7)(a) Every nomination made (including every notice of cancellation, if any given) by an employee under this regulation, shall be sent to the Head of Department in which the employee belongs.

(b) The Head of the Department shall immediately on receipt of the nomination referred to in sub-regulation (a) countersign it indicating the date of receipt and keep it under his custody.

(c) The Head of the Department may authorise his sub-ordinate officers not below the rank of Deputy to countersign the nomination forms of the employees.

(8) Every nomination made, and every notice of cancellation given, by an employee shall, to the extent that it is valid, take effect from the date on which it is received by the authority mentioned in sub-regulation (7).

### 37. Family pension

1. Without prejudice to the provisions contained in sub-regulation (3).

Where an employee dies—

- (a) after completion of one year of continuous services or
- (a) (a) before completion of one year of continuous service provided the deceased employee concerned immediately prior to his appointment to the service or post was examined by the appropriate medical authority and declared fit by that authority for Board's service, or
- (b) after retirement from service and was on the date of death in receipt of pension or compassionate allowance referred to in Chapter V, the family of the deceased shall be entitled to a family pension (hereinafter in this regulation referred to as family pension) the amount of which shall be determined in accordance with the Table below :—

Pay of an employee	Amount of monthly family pension
(i) Below Rs. 400	30% of pay subject to a minimum of Rs. 60 and a maximum of Rs. 100.
(ii) Rs. 400 and above but below Rs. 1,200	15% of pay subject to a minimum of Rs. 100 and a maximum of Rs. 160.
(iii) Rs. 1,200 and above	12% of pay subject to a minimum of Rs. 160 and a maximum of Rs. 250.

Provided that in case of a Class III or a Class IV employee retiring from service on or after 2.6.59 who has not opted to have emoluments calculated in the manner as those of a Class I or a Class II employee for the purpose of payment of health-com-retirement gratuity and

1	2
	pension, the family of the deceased shall be entitled to a family pension, with effect from 1-1-79, the amount of which shall be determined in accordance with the Table below:
Pay of an employee	Amount of monthly family pension
(i) Below Rs. 400	Rs. 60
(ii) Rs. 400 and above but below Rs. 800	Rs. 100
(iii) Rs. 800 and above but below Rs. 1200	12% of pay subject to a minimum of Rs. 100.
(iv) Rs. 1200 and above	Rs. 160.

Explanation : The expression 'continuous one year of service' wherever it occurs in this regulation shall be construed to include less than one year of continuous service as defined in Clause (a.a).

(2) The amount of family pension shall be fixed at monthly rates and be expressed in whole rupees and where the family pension contains a fraction of a rupee, it shall be rounded off to the next higher rupee, provided that in no case a family pension in excess of the maximum prescribed under this regulation shall be allowed.

(3) (a) (i) Where an employee, who is not governed by the Workmen's Compensation Act, 1923, (8 of 1923), dies while in service after having rendered not less than seven years' continuous service, the rate of family pension payable to the family shall be equal to 50 per cent of the pay last drawn or twice the family pension admissible under sub-regulation (1) whichever is less, and the amount so admissible shall be payable from the date following the date of death of the employee for a period of seven years, or for a period upto the date on which the deceased employee would have attained the age of 65 years had he survived, whichever is less.

(ii) In the event of death of an employee (other than a Class-III or Class-IV employee who has not opted for definition of pay as applicable to central government employees for the purpose of pension) after retirement the family pension as determined under sub-clause (i) shall be payable for a period of seven years, or for a period upto the date on which the retired deceased employee would have attained the age of 65 years had he survived, whichever is less :

Provided that in no case the amount of family pension determined under this clause shall exceed the pension sanctioned on retirement from the Board, provided further that where the amount of pension authorised on retirement is less than the amount of family pension admissible under sub-regulation (1), the amount of family pension determined under this clause shall be limited to the amount of family pension admissible under sub-regulation (1).

Explanation : (i) For the purpose of this sub-clause, pension, authorised on retirement includes the part of the pension which the retired employee may have commuted before death.

(ii) Where a deceased Class-III and a Class-IV employee did not opt to have his emoluments calculated in the manner as those of a Class-I and Class-II employee for the purpose of payment of death-cum-retirement gratuity and pension, the words 'twice the family pension' appearing in Sub-regulation (3) (a) (i) shall be replaced by 'one and half time the family pension'. This will have effect from 1-1-79 and for this purpose, the pay will be defined as in the case of Central Govt. employees but will include piece-rate earnings, incentive payments, premium payments and other such payments under payment by Results scheme.

(b) (i) Where an employee who is governed by the Workmen's Compensation Act, 1923 (8 of 1923) dies while in service after having rendered not less than seven years' continuous service, the rate of family pension payable to the family shall be equal to 50 per cent of the pay last drawn or one and a half times the family pension admissible under sub-regulation (1), whichever is less. For this purpose, the pay will be as defined in the case of Central Government employees but will include piece-rate earnings, incentive payments, premium payments and other such payments under payment by Results scheme.

(ii) The family pension so determined under sub-clause (1) shall be payable for the period mentioned in clause (a) of sub-regulation-3 provided that where a compensation is not payable under the aforesaid Act, and that where the family of the deceased employee is not eligible for any compensation under the aforesaid Act, the family shall be paid family pension on the scheme, and for the period, mentioned in clause (a).

(c) After the expiry of the period referred to in clause (a) the family, in receipt of family pension under that clause or clause (b) shall be entitled to family pension at the rate admissible under sub-regulation (1).

4. (a) (i) Where an award under the Calcutta Port Trust Employees' (Extra ordinary pension) regulation, 1985 is admissible,

no family pension under this regulation shall be authorised.

5. The period for which family pension is payable shall be as follows :—

(i) in the case of a widow or widower, upto the date of death or remarriage, whichever, is earlier,

(ii) in the case of a son, until he attains the age of twenty one years, and

(iii) in the case of an unmarried daughter, until she attains the age of twenty-four years or until she gets married, whichever is earlier : provided that if the son or daughter of an employee is suffering from any disorder or disability of mind or is physically crippled or disabled so as to render him or her unable to earn a living even after attaining the age of twenty-one years in the case of the son and twenty-four years in the case of the daughter, the family pension shall be payable to such son or daughter for life subject to the following conditions, namely :

(i) If such son or daughter is one among two or more children of the employee, the pension shall be initially payable to the minor children in the order set out in clause (ii) of sub-regulation 7 of this regulation until the last minor child attains the age of twenty-one or twenty four as the case may be, and thereafter the family pension shall be resumed in favour of the son or daughter suffering from disorder or disability of mind or who is physically crippled or disabled and shall be payable to him/her for life.

(ii) If there are more than one such son or daughter suffering from disorder or disability of mind or who are physically crippled or disabled, the family pension shall be paid in the following order namely :—

(a) firstly to the son, and if there are more than one son, the younger of them will get the family pension only after the lifetime of the elder;

(b) secondly, to the daughter, and if there are more than one daughter, the younger of them will get the family pension only after the Lifetime of the elder;

(iii) the family pension shall be paid to such son or daughter through the guardian as if he or she were a minor;

(iv) before allowing the family pension for life to any such son or daughter, the appointing authority shall satisfy that the handicap is of such a nature as to prevent him/her from earning his or her livelihood and the same shall be evidenced by a certificate obtained from the Chief Medical Officer of the Board setting out as far as possible, the exact mental or physical condition of the child;

- (v) the person receiving the family pension as guardian of such son or daughter shall produce every three years a certificate from the Chief Medical Officer of the Board to the effect that he or she continues to suffer from disorder or disability of mind or continues to be physically crippled or disabled.

Explanations.—(a) Only that disability which manifest itself before the retirement or death of the employee while in service shall be taken into account the purpose of grant of family pension under this sub-regulation.

(b) A daughter shall become ineligible for family pension under this sub-regulation from the date she gets married.

(c) The family pension payable to such a son or daughter shall be stopped if he or she starts earning his/her livelihood.

(d) In such cases it shall be the duty of the guardian to furnish a certificate every month that (i) he or she has not started earning his/her livelihood, (ii) in case of daughter that she has not yet married.

(6) (a) (i) Where the family pension is payable to more widows than one, the family pension shall be paid to the widows in equal shares.

(ii) On the death of a widow, her share of the family pension shall become payable to her eligible child :

Provided that if the widow is not survived by any child, her share of the family pension shall cease to be payable.

(b) Where the deceased employee or pensioner is survived by a widow but has left behind eligible child or children from another wife who is not alive, the eligible child or children shall be entitled to the share of family pension which the mother would have received if she had been alive at the time of the death of the employee or pensioner.

(7) (i) Except as provided in sub-regulation (6), the family pension shall not be payable to more than one member, of the family at the same time.

(ii) If a deceased employee or pensioner leaves behind a widow or widower, the family pension shall become payable to the widow or widower, failing which to the eligible child.

(iii) If sons and unmarried daughters are alive, unmarried daughter, shall not be eligible for family pension unless the sons attain the age of twenty one years and there by become ineligible for the grant of family pension.

(8) Where a deceased employee or pensioner leaves behind more children than one the eldest eligible child shall be entitled to the family pension for the period mentioned in clause (i) or clause (ii) of sub-regulation (5), as the case may be, and after the expiry of that period the next child shall become eligible for the grant of family pension.

(9) Where family pension is granted under this regulation to a minor, it shall be payable to the guardian on behalf of the minor.

(10) In case both wife and husband are employees and are governed by the provisions of this regulation and one of them dies while in service or after retirement, the family pension in respect of the deceased shall become payable to the surviving husband or wife and in the event of the death of the husband or wife, the surviving child or children shall be granted the two family pension in respect of the deceased parents, subject to the limits specified below, namely :—

(a) (i) If the surviving child or children is or are eligible to draw two family pensions at the rate mentioned in sub-regulation (3), the amount of both the pensions shall be limited to five hundred rupees per mensem.

(ii) If one of the family pensions ceases to be payable at the rate mentioned in sub-regulations (3), and in lieu thereof the pension at the rate mentioned in sub-regulation (1) becomes payable, the amount of both the pension shall also be limited to five hundred rupees per mensem.

(b) If both the family pensions are payable at the rates mentioned in sub-regulation (1), the amount of two pensions shall be limited to two hundred and fifty rupees per mensem.

(i) Where a female employee or male employee dies leaving behind a judicially separated husband or widow and no child or children, the family pension in respect of the deceased shall be payable to the person surviving. Provided that where in a case the judicial separation is granted on the ground of adultery and the death of the employee takes place during the period of such judicial separation, the family pension shall not be payable to the person surviving if such person surviving was held guilty of committing adultery.

12 (a) Where a female employee or male employee dies leaving behind a judicially separated husband or widow with a child or children, the family pension payable in respect of the deceased shall be payable to the surviving person provided he or she is the guardian of such child or children.

(b) Where the surviving person has ceased to be the guardian of such child or children, such family pension shall be payable to the person who is the actual guardian of such child or children.

13 (a) If a person, who in the event of death of an employee while in service, is eligible to receive family pension under this regulation, is charged with the offence of murdering the employee or for abetting in the commission of such an offence, the claim of such a person, including other eligible member or members of the family to receive the family pension, shall remain suspended till the conclusion of the criminal proceedings instituted against him.

(b) If on the conclusion of the criminal proceedings referred to in Clause (a), the person concerned:

(i) is convicted for the murder or abetting in the murder of the employee, such a person

shall be debarred from receiving the family pension which shall be payable to other eligible member of the family, from the date of death of the employee.

(ii) is acquitted of the charge of murder or abetting in the murder of the employee, the family pension shall be payable to such a person from the date of death of the employee.

(c) The provision of Clause (a) and Clause (b) shall also apply for the family pension becoming payable on the death of an employee after his retirement.

(14) For the purpose of this regulation :—

(a) 'continuous service' means service rendered in temporary or permanent capacity and does not include—

(i) period of suspension, if any, and

(ii) period of service, if any, rendered before attaining the age of eighteen year.

(b) 'family', in relation to an employee means—

(i) wife in the case of a male employee or husband in the case of a female employee, provided the marriage took place before retirement of the employee ;

(ii) (a) A judicially separated wife or husband, such separation not being granted on the ground of adultery, provided the marriage took place before the retirement of the employee, and the person surviving was not held guilty of committing adultery.

(b) Son who has not attained the age of twenty one years and unmarried daughter who has not attained the age of thirty years including such son and daughter adopted legally before retirement but shall not include son or daughter both after retirement.

(c) (i) 'Pay' means the emoluments as specified in regulation 21, except that piece-rate earnings, incentive payments and other such payments under payment by Result Schemes which are treated as pay shall be reckoned with reference to such earning drawn during the last ten months of the service of the employee, or

(ii) The average emoluments as referred to in regulations 22, if the emoluments of the deceased employee have been reduced during the last ten months of his service otherwise than as penalty.

## CHAPTER VII

Procedure for grant of Pension and Death-cum-Retirement Gratuity.

38. Procedure for grant of pension and Death-cum-Retirement Gratuity.

The procedure for the grant of pension, family pension and death-cum-retirement gratuity shall be such as may be prescribed the Chairman from time to time

39. Preparation of list of employees due for retirement.

(1) Every Head of Department shall have a list prepared once in a year, that is, on the 1st January each year of all employees who are due to retire within the next 6 to 18 months of that date.

(2) A copy of every such list in duplicate shall be supplied to the Financial Adviser and Chief Accounts Officer not later than the 31st January of that years.

(3) In the case of an employee retiring for reasons other than by way of Superannuation, the Head of Department shall promptly inform the Financial Adviser and Chief Accounts Officer as soon as the fact of such retirement becomes known to him.

(4) A copy of the intimation sent by the Head of Department to the Financial Adviser & Chief Accounts Officer shall also be endorsed to the Land Manager in respect of Class I, Class II and Class III employees and to the Labour Adviser & Industrial Relations Officer in respect of Class IV employees if the employees concerned are allottees of Port Trust Accommodation.

(5) The Head of Department shall also have a separate list prepared once in a year, that is, on the 1st January each year of all Class IV employees promoted to Class III posts who are due to retire within the next 6 to 18 months of that date and a copy of every such list in duplicate shall be supplied to the Financial Adviser and Chief Accounts Officer not later than the 31st January of that year. The list shall also contain particulars as regards (1) date of continuous officiating appointment of the concerned employee to Class III post and (2) particulars of reference under which the staff Recommendation Sheet on confirmation Health Certificate, Service Sheet in respect of service rendered in Class IV posts and Leave Account of the concerned employee has been forwarded to the Office of the Financial Adviser and Chief Accounts Officer and the date of confirmation of the employee in the Class III post. In case of Class IV employees officiating in Class III post, not yet confirmed in such post, the list should show the date of continuous officiating appointment of such an employee to the Class III post.

40. Preparation of Pension Papers

Every Head of Department shall undertake the work of preparation of pension papers 9 months before the date on which an employee is due to retire on superannuation. While doing so, the Head of Department shall go through the service sheets of Class IV employees and satisfy himself as regards the correctness of the entries recorded therein. The Head of Department shall complete preparation of Pension Papers and forward the pension proposal along with all relevant documents to the Financial Adviser and Chief Accounts Officer not later than four months before the date of retirement of the employee. Before forwarding the Pension Proposals, the Head of Department shall as far as possible ascertain and assess the Board's due payable by an employee due

for retirement and intimate the same to the Financial Adviser and Chief Accounts Officer at the time of forwarding the Pension Papers to him so that the dues are recovered out of the gratuity before its payment is authorised. If after the particulars of Board's dues have been intimated to the Financial Adviser and Chief Accounts Officer, any additional Board's dues come to the notice of the Head of Department such dues shall be promptly reported to the Financial Adviser and Chief Accounts Officer.

Note :—If the application is for an invalid Pension, the requisite certificate of the Chief Medical Officer shall be attached to the Pension Proposal.

41. Intimation to Financial Adviser and Chief Accounts Officer regarding any event having bearing on Pension.

If after the Pension Papers have been forwarded to the Financial Adviser and Chief Accounts Officer within the period specified in regulation 40, any event occurs which has a bearing on the amount of pension admissible, the fact shall be promptly reported to the Financial Adviser and Chief Accounts Officer.

42. Authorisation of Pension and gratuity by the Financial Adviser and Chief Accounts Officer.

On receipt of Pension papers referred to in regulation 40 the Financial Adviser and Chief Accounts Officer shall apply the requisite checks, assess the amount of pension and gratuity and authorise the payment of same not later than one month in advance of the date of the retirement of the employee. After payment of pension and death-cum-retirement gratuity is authorised the Financial Adviser and Chief Accounts Officer shall arrange for preparation of pension and death-cum-retirement gratuity bill. The F.A. & C.A.O. shall also arrange to verify the correctness of entries in the service sheets maintained in his receipt of the list of employees promoted to Class III office in respect of Class I, Class II and Class III employees on receipt of the list of such employees as referred to in sub-regulation (2) of regulation 39. On receipt of the list of employees promoted to Class III posts from Class IV post as referred to sub-regulation 5 of regulation 39, F. A. & C. A.O. shall cause the service sheet in respect of the service rendered in a Class III post by any of the employees mentioned in the list to be opened immediately, if not opened earlier.

43. Recovery of excess payment.

Should the amount of pension/death-cum-retirement gratuity granted to an employee be afterwards found to be in excess of that to which he is entitled under these regulations, then he shall be called upon by the Financial Adviser and Chief Accounts Officer to refund such excess. For this purpose the employee concerned shall be served with a notice by the Financial Adviser and Chief Accounts Officer requiring him to refund the excess payments within a period of two months from the date of receipt by him of the notice. On his failure to comply with the notice, the Financial Adviser and Chief Accounts Officer shall

order that such excess payment shall be adjusted by short payment of pension in future in one or more instalments as he will think fit.

## CHAPTER VIII

### Dues of the Board

44. (i) Recovery and adjustment of dues of the Board.

It shall be the duty of every retiring employee to clear all dues of the Board before the date of his retirement (ii) Where a retiring employee does not clear the dues of the Board and such dues are ascertainable :—

(a) an equivalent cash deposit may be taken from him; or

(b) out of the gratuity payable to him an amount equal to that recoverable on account of ascertainable dues of the Board shall be deducted therefrom.

Explanation :—The expression "ascertainable dues of the Board" includes balance of house building or conveyance advance, dues on account of occupation of accommodation provided by the Board, over payment of pay and allowances and arrears of income-tax deductible at source under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961).

Unrealised and unassessed dues of the Board.

45. (a) If any of the dues of the Board (other than those referred to in regulation 44) remain unrealised and unassessed for any reasons, suitable cash deposit may be taken from the retiring employee or such portion of gratuity payable to him as may be considered sufficient may be held over till the outstanding dues are assessed and adjusted.

(b) The cash deposit to be taken or the amount of gratuity to be withheld shall not exceed the estimated amount of the outstanding dues plus twenty-five per cent thereof.

(c) Effort shall be made to assess and adjust the recoverable dues of the Board as early as possible.

(d) The dues of the Board as assessed shall be adjusted against the cash deposit or the amount withheld from the gratuity and the balance, if any, shall be released to the retired employee.

## CHAPTER IX

Payment of pension and death-cum-retirement gratuity.

46. Payment of pension.

(1) Subject to the provisions of regulation 8, a pension other than family pension shall become payable from the date on which an employee ceases to be borne on the establishment.

(2) A pension fixed at monthly rates shall be payable monthly on or after the first day of the following month.

(3) A pension including family pension shall be payable for the day on which its recipient dies.

(4) On the death of a pensioner, payment of any arrears of pension actually due may be made to his legal heirs in the manner as prescribed by the Chairman from time to time.

#### 47. Payment of Death-cum-retirement Gratuity.

Except as otherwise provided in these regulations a gratuity shall be paid in lump sum.

### CHAPTER X

#### COMMUTATION OF PENSION

#### 48. Application for commutation.

On the application of an employee the Chairman may subject to the conditions hereafter specified sanction the commutation for a lump payment of a portion not exceeding one third of any pension which has been or may be granted to him under these regulations :

Provided that an employee against whom judicial or a departmental proceeding has been instituted or a pensioner against whom any such proceeding has been instituted or continued, shall not be permitted to commute any part of his pension during the pendency of such proceedings.

#### 49. Medical examination for commutation.

(1) On receipt of the application for commutation the Head of department under whom the pensioner was employed immediately before his retirement from the service, shall forward the case with his recommendation to the Chairman through the Financial Adviser and Chief Accounts Officer.

#### (2) An applicant who—

- (i) retires on invalid pension under Regulation 25 of these regulations; or
- (ii) is compulsorily retired from service as a penalty and is granted pension under regulation 27 of these regulations; or
- (iii) is in receipt of compassionate allowance under regulation 28 of these regulations; or
- (iv) has retired from service on one of the pension referred to in sub-regulation (3), but his application for commutation has not been received in the office of the Financial Adviser and Chief Accounts Officer within one year of his retirement shall be eligible to commute a fraction of his pension subject to the limit specified in Regulation 48 after he has been declared fit by the Chief Medical Officer or such other Medical Authority as may be directed by the Chairman.

On the Chairman accepting the proposal for commutation, the Head of Department shall direct the pensioner to appear before the Chief Medical Officer, or in the case of pensioner residing abroad in foreign countries as well as those living at a considerable distance from Calcutta such other Medical Authority as may be directed by the Chairman, for a certificate as to whether the pensioner is a fit subject for commutation, within three months of the date of receipt of the direction. If the pensioner does not present himself for medical examination within the period of three months as stated above, the Chairman may grant an extension of time not exceeding three months for such presentation after which date the application for commutation shall be considered as withdrawn. The medical certificate will be forwarded to the Chairman through the Financial Adviser and Chief Accounts Officer by the Heads of Departments and the Financial Adviser and Chief Accounts Officer will thereupon report to the Chairman the commuted value of the pension and for this purpose the applicant's age next birthday will be determined by reference to the date of the medical report. The pensioner may however, after giving notice in writing to the Head of the Department withdraw his application at any time before subjecting himself to medical examination before the Chief Medical Officer but in no case after he has appeared before the Chief Medical Officer or such other Medical Authority as referred to in sub-regulation (1).

#### (3) An applicant who is authorised —

- (i) a superannuation pension under regulation 23 of the Pension Regulations; or
- (ii) a retiring pension under regulation 24 of the pension regulations; or
- (iii) a compensation pension on abolition of permanent post under regulation 26 of the pension regulations; or
- (iv) a pension in whole or in part on the finalisation of the departmental or judicial proceeding referred to in regulation 8 of the pension regulations and issue of final orders thereon; shall subject to the limit specified in regulation 48 be eligible to commute a fraction of his pension without medical examination provided the application for commutation is received in the office of the Financial Adviser and Chief Accounts Officer within one year of the date of retirement of the applicant :

Provided that in the case of an applicant referred to in clause (iv) of sub-regulation (3) of Regulation 49, the period of one year referred to in this sub-regulation shall reckon from the date of the issue of the orders consequent on the finalisation of the departmental or judicial proceedings. The Financial Adviser and Chief Accounts Officer will report to the Chairman the commuted value of the pension and for this purpose the applicant's age next birthday will be determined by reference to the date of birth recorded in the service sheet and taken into account for the purpose of processing pension.



An employee who is due to retire on superannuation and desires payment of the commuted value of pension being authorised at the time pension being authorised, shall be eligible to apply for commutation of a fraction of pension prior to the date of retirement provided that —

- (a) the employee retires on superannuation pension only;
- (b) the application is submitted to the Head of Department so as to reach him not later than three months before the date of superannuation. No such application shall be entertained if the period is less than three months from the date of superannuation of the employee; and
- (c) the Board shall have no liability for the payment of the commuted value of pension if the employee dies before the date of superannuation or forfeits claim to pension before such retirement.

The Head of Department shall forward the application for commutation of pension to the Financial Adviser and Chief Accounts Officer along with the pension proposal.

(4) In the event of the Chief Medical Officer or in the case of pensioner residing abroad in foreign countries as well as those living at a considerable distance from Calcutta, such other Medical Authority referred to in sub-regulation (2) above declaring the age of the pensioner for purpose of commutation of pension to be greater than his actual age, the pensioner will be required by the Head of Department to state in writing within two weeks from the date of receipt of intimation whether in these circumstances he still wishes to commute a portion of the pension. If the pensioner does not withdraw in writing his application for commutation within the period of two weeks prescribed above, he shall be assumed to have accepted the commutation.

(5) If the pensioner makes any statement found to be false within his knowledge or willfully suppresses any material facts in answer to any question written or oral, put to him in connection with his medical examination, the Chairman may cancel the sanction to commutation at any time before payment is actually made, and such a statement or suppression may be treated as grave misconduct for which the Board reserve to it the right of withholding or withdrawing the pension any part of it.

(6) A pensioner applying for a commutation, who has once been rejected on the recommendation of the Chief Medical Officer or in the case of pensioners residing abroad in foreign countries as well as those living at a considerable distance from Calcutta by such other medical Authority referred in sub-regulation (2) above, as not being a fit subject for commutation, or who has once declined to accept commutation on the basis of an addition of years to his age next birthday recommended by that officer or authority may be allowed to present himself once more subsequently for medical examination with a view to

the revision of the original finding at his own cost provided that an interval of not less than a year shall elapse between the date of the first medical examination and that of the second.

(7) The pensioner shall himself pay the fees of the Chief Medical Officer in the case of pensioners residing abroad in foreign countries as well as those living at a considerable distance from Calcutta such other Medical Authority referred to in sub-regulation (2) above, if demanded by that officer or authority and shall himself defray all other expenses in connection with medical examination.

(8) The commutation shall become absolute, that is the title to receive the commuted portion of the pension shall cease and the title to receive the commuted value will accrue on the date on which the Medical Authority signs the medical certificate. Provided further that in a case falling under sub-regulation (3), the commutation shall become absolute that is the retired employee shall become entitled to receive the commuted value on the date on which his application is received in the office of the Financial Adviser and Chief Accounts Officer.

(9) The lump sum payable on commutation shall be calculated in accordance with a table or tables of present values which shall be prescribed by the Government of India from time to time for its employees and as applicable to the applicant on the date on which the commutation becomes absolute.

(10) Payment of the commuted value shall be made as expeditiously as possible. Whatever the date of actual payment, the amount paid and the effect upon the pension shall be the same as if the commuted value were paid on the date on which commutation became absolute. If the commuted portion of the pension has been drawn after the date on which the commutation became absolute, the amount drawn shall be deducted from the amount payable on commutation.

(11) (a) An applicant shall make a nomination in the prescribed form (printed at Annexure —1) conferring on one or more persons the right to receive the commuted value of pension in case the applicant dies without receiving the commuted value on or after the date on which commutation became absolute.

(b) If there is no such nomination or if the nomination made does not subsist and the pensioner dies on or after the day on which commutation became absolute but before receiving the commutation value, this value shall be paid to his legal heirs.

(12) The compassionate allowance granted under regulation (28) shall be treated as pension for the purpose of commutation.

(13) An applicant who has commuted a fraction of his final pension and after commutation his pension has been revised and enhanced retrospectively, the applicant shall be paid the difference between the commuted value determined with reference to enhanced pension and the commuted value already authorised.

For the payment of difference, the applicant shall not be required to apply afresh :

Provided that in the case of an applicant who has commuted a fraction of his original pension not exceeding rupees one hundred after being declared fit by the Chief Medical Officer or such other Medical Authority as referred to in sub-regulation (2) and as a result of retrospective enhancement of pension he becomes eligible to commute an amount exceeding one hundred rupees per mensem, he shall be allowed the difference between the commuted value of one hundred rupees per mensem and the commuted value of the fraction of the original pension without further medical examination, the commutation of any further amount beyond rupees one hundred per mensem shall be treated as fresh commutation and allowed subject to medical examination.

#### 49. (A) Restoration of commuted portion of pension.

The pensioners who have commuted the admissible portion of their pension and on 1-4-1985 or thereafter have completed or will complete 15 years from their respective dates of retirement may be allowed to have the commuted portion of their pension restored, excepting in the case of Post employees who got themselves absorbed under Public Sector Undertakings/Autonomous Body and have received or opted to receive commuted value of 1/3rd of pension as well as terminal benefits equal to the commuted value of the balance amount of pension left after commuting 1/3rd of pension.

#### 50. Interpretation.

Where any doubt arises as to the interpretation of these regulations, it shall be referred to the Board for decision.

#### 51. Power to relax.

Where the Board is satisfied that the operation of any of these regulations causes under hardship in any particular case, the Board, may, by order for reasons to be recorded in writing dispense with or relax

the requirements of that regulation to such extent and subject to such exceptions and conditions as the Board may consider necessary for dealing with the case in a just and equitable manner.

#### 52. Repeal and Saving.

(1) On the commencement of these regulations, every rule or order in force immediately before such commencement shall, cease to operate.

(2) Notwithstanding such ceasing of operation :

- (a) any nomination for the payment of death cum-retirement gratuity required to be made or given by an employee under the old rules and/or order but not made or given before the commencement of these regulations shall be made or given after such commencement in accordance with the provision of these regulations;
- (b) any case which pertains to the sanction of pension to an employee who had retired before the commencement of these regulations and is pending before such commencement shall be disposed of in accordance with the provisions of the old rules and/or orders as if these regulations had not been made;
- (c) any case which pertains to the sanction of death-cum-retirement gratuity and family pension to the family of a deceased employee or of a deceased pensioner and is pending before the commencement of these regulations shall be disposed of in accordance with the provisions of the old rules or orders, if these regulations had not been made;
- (d) Subject to the provisions of clauses (b) and (c) anything done or any action taken under the old rules and/or orders shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of these regulations.

(SUDHIR SHANKER NAGAR)

Section Officer

Ministry of Surface Transport